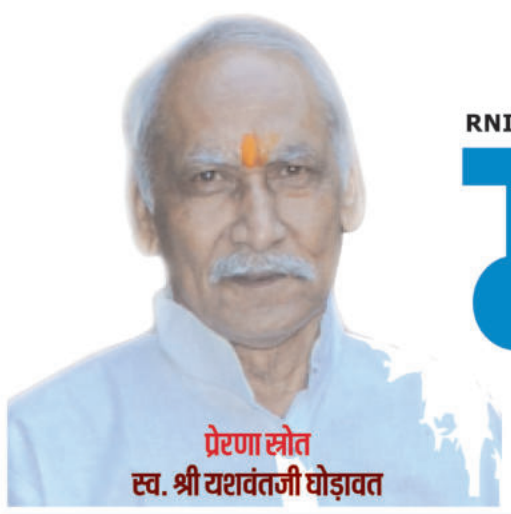
प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

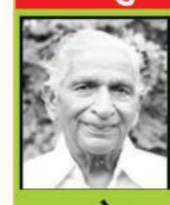

यह संसार दुख और वेदना के अथाह सागर के समान है, इसमें प्रेम की अत्यधिक आवश्यकता है।

डॉ. रामकुमार वर्मा

वर्ष-05, अंक - 39 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 29 जून 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

किसकी बनेगी सरकार...? सर्वे में पिछड़ी भाजपा...

आप के आने से किसको हो रहा नुकसान

भोपाल।

इस वर्ष के आखिर में मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस बीच सभी के मन में एक सवाल आ रहा है कि, आखिर एमपी में किसकी सरकार बनने जा रही है...? इसी बात को लेकर एक ताजा हुए सर्वे में कांग्रेस के लिए खुशखबरी है। इस सर्वे के अनुसार, एमपी में कांग्रेस ने भाजपा को पीछे छोड़ दिया है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर जारी किए गए पहले ओपिनियन पोल में कांग्रेस आगे बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। इस सर्वे के अनुसार, कांग्रेस को 108-120 सीटें मिलती हुई दिखाई दे रही है, जबकि भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस से थोड़ा पीछे हो गई है। इस सर्वे में भाजपा को 106-118 सीटें मिलती हुई दिखाई दे रही हैं।

मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस पहले ही 150 सीटें जीतने का दावा कर चुकी है। हालांकि, सर्वे कांग्रेस के दावों से कम सीटें मिलती हुई दिखाई दे रही हैं। सर्वे में भाजपा-कांग्रेस के अलावा भी पार्टियां शामिल की गई थीं। इस सर्वे के अनुसार, एमपी में मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी को भी 0-4 सीटें मिल सकती हैं। इसमें निर्दलीय प्रत्याशियों को भी 0-4 तक सीटें मिलने का दावा किया गया है।

वहीं, इस वर्ष आम आदमी पार्टी भी मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर बेहद उत्साहित है। पार्टी ने इस वर्ष होने वाले चुनाव में प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। इस बीच ओपिनियन पोल कराया गया कि, क्या सच में आम आदमी पार्टी का चुनाव लड़ना कांग्रेस को नुकसान दे सकता है। ओपिनियन पोल ने मुताबिक, 42 प्रतिशत लोगों को लगता है कि आप, कांग्रेस का खेल बिगाड़ सकती है। 39 फीसदी लोगों का मानना है कि दिल्ली की सत्तारूढ़ पार्टी कांग्रेस का नुकसान पहुंचा पाएगी। जबकि 19 प्रतिशत लोगों ने कोई राय नहीं दी है।

प्रियंका का कद बढ़ाने की तैयारी में कांग्रेस

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव में अब कुछ महीनों का ही वक्त बचा है। उससे पहले कांग्रेस अपने हर पेच को कस लेना चाहती है। विपक्षी एकता से लेकर अपने ही संगठन में सुधार तक की तमाम कोशिशें कांग्रेस कर रही है। अगले कुछ दिनों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अपनी नई टीम का ऐलान कर सकते हैं। इसके अलावा कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्यों को भी अध्यक्ष खड़गे की ओर से नामित किया जाएगा। इस बीच चर्चा है कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी को बड़ा मौका दिया जा सकता है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि, प्रियंका गांधी को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

इसके अलावा उनको महासचिव का पद देते हुए चुनाव प्रभारी बनाए जाने की भी संभावना है। यदि ऐसा होता है तो 2024 के चुनावी अभियान की नेता प्रियंका गांधी ही होंगी। हिमाचल और कर्नाटक के चुनाव प्रचार में प्रियंका गांधी काफी सक्रिय थीं। दोनों राज्यों में जीत का श्रेय पाने वाले नेताओं में प्रियंका का भी नाम है। ऐसे में कांग्रेस उन्हें नए तरीके से लॉन्च करने की तैयारी में है। उनको फिलहाल तेलंगाना और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की चुनावी कमान दी गई है। लेकिन अब लोकसभा इलेक्शन 2024 की भी कमान उनको मिल सकती है।

कांग्रेस कार्यसमिति में कुल 35 नेताओं को शामिल करने का प्लान है। इसमें भी प्रियंका गांधी को जगह मिलेगी। इसके अलावा केसी वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला, शैलजा कुमारी, माणिक राव ठाकरे को भी शामिल करने का प्रस्ताव है। माना जा रहा है कि अजय माकन और मोहन प्रकाश को भी लिया जा सकता है। खबर है कि अगले एक सप्ताह के अंदर ही मल्लिकार्जुन खड़गे इन नेताओं की लिस्ट जारी करेंगे। प्रियंका गांधी को कांग्रेस ने पहले यूपी की जिम्मेदारी दी थी। इसके तहत ही कांग्रेस ने 2022 के चुनाव में 'लड़की है, लड़ सकती है' जैसा कैंपेन शुरू किया था। यह कैंपेन खूब चर्चित हुआ था, लेकिन चुनावी सफलता नहीं मिल पाई।

वर्चस्व की लड़ाई, दो गुटों में संघर्ष, एक घायल

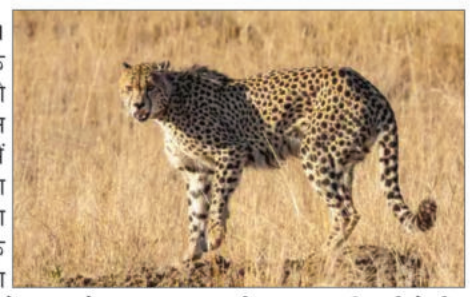

श्योपुर।

मध्य प्रदेश के श्योपुर में कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में दक्षिण अफ्रीका से लाया गया अग्नि नामक एक चीता आपसी लड़ाई में घायल हो गया। यह जानकारी एक वन अधिकारी ने दी। केएनपी के वनमंडल अधिकारी (डीएफओ) प्रकाश कुमार वर्मा ने बताया, नामीबिया से लाए गये एल्टन-फ्केडी (गौरव-शौर्य) और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए अग्नि-वायु नर चीता के बीच आपसी संघर्ष हो गया था। इस संघर्ष में अग्नि चीता घायल हुआ है, जिसका उपचार किया जा रहा है और वह अब उसकी हालत ठीक है। उन्होंने कहा कि, कूनो के पालपुर क्षेत्र के खुले जंगल में अपना क्षेत्र निर्धारित कर रहे चीते आपस में भिड़ गए। इस संघर्ष को बंद करवाने के लिए हमारे निगरानी दल ने फटाके चलाए और जोर-जोर से आवाज के साथ ही सायरन भी बजाया, जिसके बाद यह संघर्ष शांत हुआ।

वर्मा ने बताया कि, इस संघर्ष में दक्षिण अफ्रीका का अग्नि चीता घायल हो गया था जिसे 'ट्रैंकुलाइज' किया गया और बाद में उसका डॉक्टरों और विशेषज्ञों द्वारा उपचार किया गया। जंगल में जनवरों के बीच इस प्रकार की घटना सामान्य है।

फिर सड़कों पर 'मीरा पैबी', इस आंदोलन ने कई बार बदला इतिहास

इम्फाल, एजेंसी।

मणिपुर में उग्रवाद लंबे समय से रहा है। 1964 में यहां यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (युएलएफए) का जन्म हुआ। इसके दोदशक बाद 1980 में केंद्र सरकार ने सेना और अर्द्धसैनिक बलों को मणिपुर में भेज दिया। तभी सुरक्षा बलों के खिलाफ मीरा पैबी की शुरुआत हुई। इसका अर्थ होता है 'मशाल लेकर चलने वाली महिलाएं।' लगभग 40 साल बाद मणिपुर में एक बार फिर वैसी ही स्थिति दिखाई दे रही है। हिंसा पर लगाम लगाने के लिए तैनात जवानों के खिलाफ महिलाओं ने मोर्चा खोल दिया है।

इंफाल घाटी में सुरक्षाबलों के सर्च ऑपरेशन के दौरान महिलाएं युवाओं की रक्षा के लिए आगे आ गईं। सेना ने एक वीडियो ट्वीट किया था जिसमें देखा जा सकता है कि किस तरह से महिलाएं सड़क जाम कर रही थीं। बता दें कि मणिपुर में हिंसा 3 मई को शुरू हुई थी। इसके बाद से महिलाएं कई बार शांति की भी अपील कर चुकी हैं। राजधानी दिल्ली में जंतर-मंतर पर और गृह मंत्री के आवास के बाहर भी महिलाओं ने प्रदर्शन किए थे।

बता दें कि, मणिपुर में समाज महिलावादी है। यहां महिलाओं का महत्व हमेशा से ज्यादा रहा है और कमाने और घर चलाने के मामले में भी वे पुरुषों से आगे रहती हैं। महिलाओं का मीरा पैबी अंग्रेजों के समय में भी देखने को मिला था। उसे नुपी लाल नाम दिया गया था जिसका अर्थ होता है महिलाओं का युद्ध। 1904 में जब अंग्रेजों ने पुरुषों के लिए बिना वेतन 10 दिन काम करना अनिवार्य कर दिया था तब महिलाओं ने मोर्चा संभाला था। इसके बाद अंग्रेजी सरकार को अपना फैसला वापस लेना पड़ा था।

इसके बाद 1939 में महाराजा की आर्थिक नीतियों के विरोध में महिलाओं ने कमान संभाली। उन्होंने चावल के निर्यात का विरोध किया तो महाराजा को भी घुटने टेकने पड़े। कई लेखकों ने लिखा है कि चुनौतीपूर्ण समय में मणिपुर की हर महिला मीरा पैबी बन जाती है। मणिपुर के राज्य बनने के बाद यहां शराब पर पाबंदी लगाने के लिए महिलाएं सड़कों पर उतरी थीं। राज्य में आर्म्ड फोर्सेज स्पेशल पावर ऐक्ट लगाने का भी महिलाओं ने जमकर विरोध किया। इरोम शर्मिला ने 16 साल तक भूख हड़ताल की।

वर्ष 2004 में थांगजम मनोरमा देवी के कथित रेप के बाद 30 मीरा पैबी महिलाओं ने निर्वस्त्र होकर इंफाल सिटी तक मार्च किया था। उन्होंने पोस्टर पर लिखा था, भारतीय सेना ने हमारा रेप किया है। कुछ वर्ष पहले मीरा पैबी ने अपने समुदाय में युवाओं को सुधारने का भी काम शुरू किया था। वे अचानक होटलों और घरों में छापा डाल देती थी। युवाओं को फोन के इस्तेमाल करने से भी रोकती थीं। खास बात यह है कि मीरा पैबिस ने आंदोलन किए, विरोध किए लेकिन कभी नरसंहार का रास्ता नहीं अपनाया।

आरक्षण का लाभ लेने वालों का चेक करें जाति प्रमाण-पत्र

पणजी, एजेंसी।

गोवा में बॉम्बे हाई कोर्ट ने जाति प्रमाण-पत्रों की जांच का आदेश किया है। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को तीन महीने के भीतर यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि, जो लोग जाति-आधारित आरक्षण का लाभ उठाते हैं, उनके प्रमाण-पत्रों को जाति जांच समिति (सीएससी) द्वारा सत्यापित किया जाए। स्थानीय नगर पालिका परिषद के एक पार्षद, तारक अरोलकर द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि, जाति आधारित आरक्षण का लाभ उठाने वालों की जाति की स्थिति का सत्यापन सुनिश्चित करने के लिए राज्य में कोई तंत्र नहीं है। जबति कुमारी माधुरी पाटिल (1995) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इसे अनिवार्य किया था। तारक अरोलकर का जाति प्रमाण-पत्र जाति जांच समिति द्वारा रद्द कर दिया गया था, जिससे वे अयोग्य घोषित कर दिए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने जाति प्रमाण-पत्रों के सत्यापन के लिए विस्तृत प्रक्रिया निर्धारित की थी। इस संबंध में संबंधित राज्य सरकार द्वारा किसी कानून के अभाव में यह प्रक्रिया लागू की जानी है। जस्टिस एमएस सोनक और भरत देशपांडे की उच्च न्यायालय की पीठ ने कहा, दुर्भाग्य से, गोवा राज्य में, किसी भी कानून या कार्यकारी संस्थान को आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए उम्मीदवार के नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले या आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र से चुने जाने के बाद कुछ उचित अवधि के भीतर उनके जाति प्रमाण-पत्र के सत्यापन की आवश्यकता नहीं होती है। परिणामस्वरूप, हमें यकीन है कि ऐसे कई निर्वाचित उम्मीदवार, नियुक्त व्यक्ति या यहां तक कि छात्र भी होंगे जिन्हें कुमारी माधुरी पाटिल की प्रक्रिया के बाद सीएससी से अपना अनंतिम जाति प्रमाण-पत्र सत्यापित कराना बाकी है।

भाजपा आईटी सेल प्रमुख के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

बेंगलुरु, एजेंसी।

भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ कांग्रेस ने एफआईआर दर्ज कराई है। भाजपा नेता का खिलाफ कांग्रेस नेता के रमेश बाबू की शिकायत के बाद बेंगलुरु के हाई ग्राउंड्स थाने में शिकायत दर्ज की गई है। मालवीय पर राहुल गांधी के खिलाफ कांग्रेस ने ट्वीट करने का आरोप लगाया है।

नेता राहुल गांधी के खिलाफ ट्वीट के लिए बेंगलुरु के हाई ग्राउंड्स पीएस में आईपीसी की धारा 153 ए, 120 बी, 505 (2), 34 के तहत बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे भाजपा को जब भी कानूनी दौर से गुजरना पड़ता है तो वे रोना शुरू करते हैं। उन्हें देश के कानून का पालन करने में समस्या है। मैं बीजेपी से पूछना चाहता हूं कि एफआईआर का कौन सा हिस्सा गलत इरादे से दर्ज किया गया है। हमने कानूनी राय लेने के बाद ऐसा किया है।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा से जब पत्रकारों ने पूछा कि बीजेपी आईटी सेल अमित मालवीय के खिलाफ कांग्रेस ने कर्नाटक में एफआईआर दर्ज कराई है। इस पर उन्होंने कहा कि एक ही हुई है, ये अच्छी खबर नहीं है, उनके खिलाफ और मामला दर्ज होनी चाहिए। जिस तरह से वह ना केवल सच के साथ खिलवाड़ करते हैं, किसी की चरित्र और छवि के साथ खिलवाड़ करते हैं। उसे देखते हुए और मामला दर्ज होनी चाहिए।

यूसीसी पर एक शर्त के साथ 'आप' का सैद्धांतिक समर्थन

नई दिल्ली।

देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने के विषय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रुख से अब नए तरीके से चर्चाएं तेज हो गई हैं। वहीं दिल्ली और पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) भी अब इस मुद्दे पर केंद्र की भाजपा सरकार के साथ खड़ी नजर आ रही है। 'आप' ने आज इस मुद्दे पर अपनी सैद्धांतिक सहमति जताकर सभी को हैरान कर दिया है।

'आप' के संगठन महासचिव और पंजाब के राज्यसभा सांसद डॉ, संदीप पाठक ने बुधवार को कहा कि, यूनिफॉर्म सिविल कोड के मसले पर हम सैद्धांतिक तौर पर सरकार का समर्थन करते हैं। संविधान का अनुच्छेद-44 भी कहता है कि यूसीसी होना चाहिए।

उन्होंने कहा की लेकिन हमारा यह मानना है कि, चूंकि यह मुद्दा कई सारे धर्म और संप्रदायों से जुड़ा हुआ है और हमारा देश कई सारे धर्म और सम्प्रदायों का एक समूह है, इसलिए सभी से चर्चा करके और सहमति बनाकर ही इसे लागू किया जाना चाहिए।

बता दें कि, आम आदमी पार्टी इससे पहले भी कई मुद्दों पर केंद्र की भाजपा सरकार का समर्थन कर चुकी है, जिसको लेकर कांग्रेस ने ऐतराज जताया था, लेकिन फिलहाल यूनिफॉर्म सिविल कोड जोकि भाजपा के प्रमुख मुद्दों में से एक है उसको लेकर 'आप' का यह कहना कि हम सैद्धांतिक तौर पर यूसीसी को समर्थन देते है, यह कदम विपक्षी दलों की एकता में दरार डाल सकता है।

राफेल डील में हुआ, वही प्रीडेटर ड्रोन में दोहराया जा रहा- कांग्रेस

नई दिल्ली।

कांग्रेस पार्टी ने अमेरिका से प्रीडेटर ड्रोन की खरीद पर फिर से मोदी सरकार पर हमला बोला है। बुधवार को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुएकांग्रेस के मीडिया सेल के इंचार्ज प्रचार पवन खेड़ा ने ड्रोन की कीमतों और कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बिना डील पास होने पर सवाल उठाए हैं। खेड़ा ने कहा कि जो राफेल डील में हुआ था, वही प्रीडेटर ड्रोन की खरीद में दोहराया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जिस प्रीडेटर ड्रोन को दुनिया के बाकी देश चार गुना कम कीमत पर खरीद रहे हैं, उसे भारत ऊंची कीमत पर खरीद रहा है। इस रक्षा सौदे को 15 जून, 2023 को मंजूरी दी गई है।

खेड़ा ने कहा, राफेल सौदे में जो हुआ वह अमेरिका के साथ प्रीडेटर ड्रोन सौदे में दोहराया जा रहा है। दूसरे देश उन्हीं ड्रोनों को चार गुना से भी कम कीमत पर खरीद रहे हैं लेकिन भारत 31 प्रीडेटर ड्रोन 3 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 25 हजार करोड़ रुपए में खरीद रहा है। हम 880 करोड़ रुपए में एक ड्रोन खरीद रहे हैं।

मोदी सरकार की अतिमहत्वाकांक्षी 'मेक इन इंडिया' अभियान और दूसरे देश से ड्रोन की खरीद पर सवाल उठाते हुए खेड़ा ने कहा, कहां गया मेक इन इंडिया...? आपने रुस्तम और घातक जैसे ड्रोन के विकास के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) को एक हजार 786 करोड़ रुपए मंजूर किए थे... फिर आपने ड्रोन खरीदने के लिए अमेरिका को 25 हजार करोड़ रुपए क्यों दिए?

खेड़ा ने सरकार पर निशाना साधते हुए ड्रोन को 'पुरानी तकनीक' और अमेरिका का 'वेस्ट मैटेरियल' करार दिया और कहा, जब हम किसी बेकार चीज़ को बेचते हैं, तो उन्हें मूल से अधिक कीमत पर कैसे बेचा जा सकता है?...क्या इस ड्रोन की खरीद में कोई चुनावी बांड या पेगासस की कम्प्लीमेंट्री डील हुई है?

इस डील के तहत कुल 31 ड्रोन (16 स्काई गार्डियन और 15 सी गार्डियन ड्रोन) की खरीद शामिल हैं, जो अमेरिकी ऊर्जा और डिफेंस कॉरपोरेशन जनरल एटॉमिक्स द्वारा बनाए गए हैं। मोदी सरकार के साथ अमेरिकी कंपनी के करीबी संबंधों पर सवाल उठाते हुए खेड़ा ने कहा, हम जानते हैं कि मोदी सरकार में किस शख्स के जनरल एटॉमिक्स के सीईओ के साथ घनिष्ठ संबंध हैं और सीईओ ने सरकार के इस महत्वपूर्ण व्यक्ति के साथ कितनी बैठकें कीं...? खेड़ा ने सरकार में एक व्यक्ति पर निशाना साधते हुए उन्हें 'ड्रोनाचार्य' कहा।

अजय भटनागर को सीबीआई के विशेष निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी।

कार्मिक मंत्रालय के आदेश के अनुसार, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अजय भटनागर को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में विशेष निदेशक नियुक्त किया गया है।

झारखंड कैडर के 1989 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी भटनागर वर्तमान में संघीय जांच एजेंसी में अतिरिक्त निदेशक हैं। इसमें कहा गया है कि, उन्हें 20 नवंबर 2024 को उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख तक इस पद पर नियुक्त किया गया है। सीबीआई में संयुक्त निदेशक अनुराग अब एजेंसी में अतिरिक्त निदेशक होंगे।

आदेश में कहा गया है कि, उन्हें 24 जुलाई 2023 तक की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है, यानी उनका 7 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने तक।

गुजरात कैडर के 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी मनोज शशिधर को भी तीन वर्ष की अवधि के लिए सीबीआई में अतिरिक्त निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है। वह फिलहाल जांच एजेंसी में संयुक्त निदेशक हैं।

आदेश में कहा गया है कि, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने आईपीएस की छूट में 31 मई 2023 से एक साल के लिए यानी 1 जून 2023 से 31 मई 2024 तक (कुल आठ वर्ष) शरद अग्रवाल, संयुक्त निदेशक, सीबीआई के प्रतिनियुक्ति कार्यकाल में विस्तार को मंजूरी दे दी है।

ऑफसाइट मॉक ड्रिल 2023

गेल झाबुआ ने ऑफसाइट मॉक आपदा प्रबंधन ड्रिल आयोजित की

माही की गूंज, झाबुआ।

आपातकालीन प्रतिक्रिया एवं आपदा प्रबंधन योजना, पी.एन.आर.जी.वी. के अनुसार प्राकृतिक गैस पाइपलाइन दुर्घटना के मामले में आपातकालीन तैयारियों का परीक्षण करने के लिए, गेल (इंडिया) लिमिटेड झाबुआ ने जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) और जिला प्रशासन के सहयोग से बुधवार को एक ऑफसाइट आपातकालीन मॉक ड्रिल आयोजित की।

'ऑफसाइट इमरजेंसी ड्रिल' के हिस्से के रूप में डी बरिया से अनास पाइपलाइ, खेड़ी गांव की 36 इंच की गैस पाइपलाइन सी एच 308.318 पर गैस रिसाव और उसके बाद आग लगने का एक नकली परिदृश्य बनाया गया था। ड्रिल का प्राथमिक उद्देश्य ऐसी किसी भी आपदा के दौरान आवश्यक संसाधनों की प्रभावशीलता और पर्याप्तता का मूल्यांकन और जांच करना और गेल अन्य प्रतिक्रिया एजेंसियों की तकनीकी टीम की मुस्तैदी का परीक्षण करना और गेल झाबुआ की आपदा/आपातकालीन तैयारी प्रणालियों में सुधार करना था।

शशांक शावरीकर जीएम ओआईसी, गेल झाबुआ ने कहा कि ड्रिल के दौरान कुल 28 लोगों को बचाया गया आस-पास के चिकित्सा केंद्रों में गैस रिसाव से राहगीरों और प्रभावित लोगों की निकासी का समन्वय किया गया। इसमें जिला यातायात विभाग ने अग्निशमन विभाग के कर्मियों की सेवाओं के साथ आगामी यातायात को नियंत्रित किया।

कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा ने कहा कि जब प्रभावित क्षेत्र को दो घंटे से अधिक की कवायद के दौरान बंद कर दिया गया था, तब गेल के कर्मियों ने गैस रिसाव को नियंत्रित करने के लिए काम करना शुरू किया, तो सभी सुरक्षात्मक गियर के साथ पाए गए। शशांक शावरीकर जीएम/ओआईसी, गेल झाबुआ अपनी गेल टीम के साथ उपस्थित रहे।

इस दौरान डीडीएमए, राजस्व विभाग, डिप्टी कलेक्टर झाबुआ, मामलातदार, पुलिस विभाग, जिला कमांडेंट होम गार्ड, एसडीएम झाबुआ, तहसीलदार झाबुआ, कार्यपालन यन्त्री पीडब्ल्यूडी, कार्यपालन यंत्री पी एच ई, कार्यपालन यन्त्री डब्ल्यू आर डी कार्यपालन यन्त्री एमपीईबी, स्थानीय अग्निशमन विभाग की टीम के पर्यवक्षकों ने भी मॉक ड्रिल में भाग लिया।

ग्राम पंचायत करड़ावद के सचिव एवं पूर्व सचिव की दो वेतनवृद्धि रोकी गई

माही की गूंज, झाबुआ।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विहित प्राधिकारी, जिला पंचायत झाबुआ के ओदशानुसार ग्राम पंचायत करड़ावद जनपद पेटलावद के सरपंच श्रीमती लीला भरत देवदा, सचिव मांगीलाल बिलवाल एवं पूर्व सचिव करडावद रामकिशन वर्मा (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत आमली, जनपद थांदला) द्वारा पंच परमेश्वर एवं स्टाम्प ड्यूटी योजनांतर्गत वर्ष 2016-17 एवं 2017-18 में स्वीकृत सामुदायिक भवन निर्माण (पंचायत भवन के पास) में स्वीकृत राशि 12 लाख 32 हजार 5 सौ रूपए के विरूद्ध अधिक व्यय की गई राशि 13 लाख 72 हजार 2 सौ 1 रूपए का आहरण कर निर्माण कार्य पूर्ण नहीं करवाया गया तथा अधिक व्यय की राशि 1 लाख 39 हजार 7 सौ 81 रूपए वसूली योग्य होने से इनके विरूद्ध म.प्र. पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 92 के तहत कार्यवाही के आदेश दिए गए।

ग्राम पंचायत करड़ावद के सचिव मांगीलाल बिलवाल एवं पूर्व सचिव करडावद रामकिशन वर्मा (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत आमली, जनपद थांदला) द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने के फलस्वरूप म.प्र. पंचायत सेवा नियम 2011 की कण्डिका (7) के तहत दोनो की 2-2 वेतनवृद्धि (संचयी) प्रभाव से रोकी गई।

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना अन्तर्गत नियमित विमान सेवा

माही की गूंज, झाबुआ।

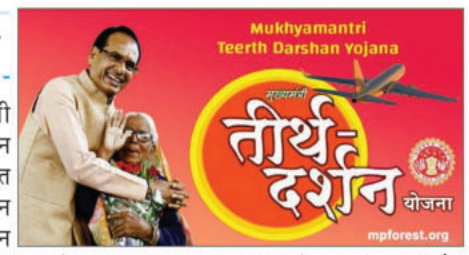

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना अन्तर्गत नियमित विमान सेवा के वायुयान से तीर्थ यात्रा 21 मई से 19 जुलाई, 2023 तक आयोजित की जा रही है। जिसमें झाबुआ जिले में 19 जुलाई, 2023 (1 रात 2 दिन) झाबुआ से शिर्डी यात्रा प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अन्तर्गत वायुयान यात्रा में कुल 33 सीटे आवंटित है, जिनमें 32 यात्री एवं 01 अनुरक्षक है। चयनित 33 यात्रियों की सूची एवं 03 यात्रियों की प्रतीक्षा सूची जारी कर दी गई है।

जिन घर-दुकानों में सीसीटीवी कैमरे है, वे एक कैमरा सड़क मार्ग पर लगाएं- डीएसपी

माही की गूंज, बरझर।

आगामी त्योहार के चलते ग्राम पंचायत हाल में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें नायब तहसीलदार रानू माल, डीएसपी आदित्य प्रताप सिंह, थाना प्रभारी विक्रम धारवे उपस्थित रहे। बैठक में खासकर आगामी त्योहार ईद, मोहर्रम को लेकर चर्चा हुई और भाईचारे से सभी को त्योहार मनाने को कहा गया।

डीएसपी आदित्य प्रताप ने कहा कि, जो घर दुकान में सीसी टीवी कैमरे लगे हे। वह एक कैमरा सड़क मार्ग पर अवश्य लगा कर रखें ताकि बदमाशों पर नजर रहे।

साथ ही थाना प्रभारी विक्रम धारवे ने कहा कि, सरपंच हिमसिग बारिया स्टेट लाईट जो बंद है उसे चालू करवा देंगे परन्तु आप लोग भी अपने अपने घरों के पिछे लाईट जलाकर रखें। साथ ही ग्रामीणों ने रात्रि में वाहन चोरी की घटना होने के चलते डीएसपी आदित्य प्रताप सिंह से आग्रह किया की जो रात्रि में वाहन गुजरते हैं उसे रोक कर पुछताछ की जाए संदेह व कागज़ात ना होने पर वाहन को खड़ा करने की बात कही। साथ ही ग्रामीणों ने दो पुलिस जवान का बल बरसात के मौसम में तीन माह के लिए बढाने में बढ़ाने की मांग की ताकी ताकि चोरी की वारदात को रोका जा सके। इस अवसर पर चौंकी प्रभारी शिवा तोमर, सरपंच हिमसिग बारिया, हबीब खान, इरसाद खान, मांगीलाल प्रजापत, कमलेश राठोड़, राजू पंचाल आदि मोजूद थे।

गायत्री मंदिर परिसर में कुल 7 दिव्यांग जोड़ों का सामूहिक विवाह हुआ

माही की गूंज, झाबुआ। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित योजना मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना अंतर्गत कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा के निर्देशन में विभाग द्वारा झाबुआ संपन्न गायत्री मंदिर परिसर में कुल 7 दिव्यांग जोड़ों का सामूहिक विवाह हुआ। इस विवाह के अंतर्गत दिव्यांग दंपति को 49000 की राशि उनके खाते में ट्रांसफर की जाएगी। इस कार्यक्रम में एनजीओ प्रकोष्ठ, रोटरी क्लब, परहित संस्था द्वारा विवाहित जोड़ों को स्वेच्छा से गृहस्थी का सामान उपलब्ध कराया। नवविवाहित दंपतियों ने मुख्यमंत्री की इस योजना के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को बहुत-बहुत धन्यवाद व्यक्त किया। कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा द्वारा नवविवाहित जोड़ों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उप संचालक दिनेश वर्मा, सहायक संचालक पंकज साँवले, एन जी ओ प्रकोष्ठ के मनोज अरोरा में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कैबिनेट मंत्री डावर ने किसानों को किया बीज का वितरण

माही की गूंज, च.शे. आज़ाद नगर।

कैबिनेट मंत्री माधौसिंह डावर ने किसानों को बीज वितरण किए। जनपद पंचायत परिषर में बीज वितरण कार्यक्रम व राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (नूप) योजना के अंतर्गत सोयाबीन किस्म जेएस 20-116, जेएस 20-98, सोयाबीन मिनीकिट के बीज, तुवर, मल्टी टुल (बक्खर) आदि बीज वितरण का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित कैबिनेट मंत्री माधौसिंह डावर ने कहा कि, मप्र सरकार किसानों के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है कि किसान ऊपर उठ सके। सरकार जितना फायदा दे सकती है वह दे रही है। आज हर किसान को केन्द्र सरकार के द्वारा सीधे बैंक खाते में पैसा दे रहे हे बल्कि हर खाद बीज से लेकर फ़सल का मुआवजा तक दिया जा रहा है।

जनपद अध्यक्ष इंदरसिंह डावर ने कहा कि, भाजपा ने जो किसानों को फायदे दिए हैं वह किसी भी सरकार में नहीं मिले हैं शिवराज सरकार रात दिन किसानो को कितना लाभ दे सके यह चिंता रहती है। इस अवसर पर भूपेंद्र डावर , कर्षि स्थाई समिति अध्यक्ष सन्तु मेड़ा, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मानसिंग चंगोड़, वरिष्ठ कृषि अधिकारी अवध नारायण परासर, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुनिल चरपोटा, दिलीप मेड़ा, प्रकाश रावत, उन्नतशील कृषक पचिया मौजूद रहे।

सहायक आयुक्त ने अचानक सीएम राईस व कन्या उमावि मेघनगर का किया निरीक्षण

माही की गूंज, मेघनगर।

नवागत सहायक आयुक्त निशा मेहरा ने अचानक सीएम राईस मेघनगर व कन्या उमावि मेघनगर का निरीक्षण किया। निशा मेहरा ने सीएम राईस स्कूल मेघनगर शुरूआत शैक्षणिक व्यवस्था का जायजा लिया व कक्षा 11वी के चार पांच नव प्रवेशित बच्चों से भी चर्चा कि नियमित स्कूल आने पढ़ाई पर ध्यान देने हेतु कहा। शैक्षणिक व विद्यालय संचालन व्यवस्था की जानकारी प्रिंसीपल वर्षा चौरे व एन एस नायक से ली।दिवारे चाक से चितरी होने पर इन्हें साफ करने हेतु भी किया। कन्या उमावि मेघनगर में भी अचानक निशा मेहरा के पहुंचने के स्टाफ वगैरह मुसतेद हो गये।बीईओव विद्यालय के प्रिंसीपलजी एस देवसरे से कितने प्रवेश हुएं व कक्षा संचालन की जानकारी ली। प्रायोगिक कक्ष का निरीक्षण किया जमी धूल पर नियमित सफाई के निर्देश पिसीपल श्री देवहरे को दिये। कक्षों व कार्यालय का का निरीक्षण किया।शुरवात सत् में सहायक आयुक्त के निरीक्षण से अब शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार की उम्मीद क्षेत्रवासियों को नज़र आ रही है। रमभपुर हायर सेकंडरी के अधूरे निर्माण व छात्र संख्या की वृद्धि से आनेवाली समस्या से गांव के युवा समाजसेवी भूपेंद्र बरमडलिया ने अवगत कराया तोंसहायक आयुक्त निशा मेहरा ने कार्य की गति तेज करने हेतु ठेकेदार को निर्देशित करने व स्वयं रमभपुरसकूल का निरीक्षण व निर्माण कार्य देखने व शिक्षा गुणवत्ता के प्रति सचेत रहने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के वक्त मंडल संयोजक दिपेश सोलंकी बीईओ देवहरे आदि उपस्थित थें।

यहां हो रहा है सुदूर सड़क निर्माण में भारी भ्रष्टाचार...?

माही की गूंज आलीराजपुर, फिरोज पठान

जिले में जहा देखो वहा मनरेगा के कामों में मशीन चलाकर काम किया जा रहा है और भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है। आज एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जिसमे उदयगढ़ जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत कालूवाट के सरपंच, सचिव और सहायक सचिव के साथ अधिकारी और कर्मचारी बिना लायसेंसी ठेकेदार से ग्राम की एक से डेढ़ किलोमीटर की सुदूर सड़क का निर्माण करवा रहे है, जिस सड़क का निर्माण किया जा रहा है। उसमे मजदूरों से काम करवाया जाना चाहिए था लेकिन सड़क निर्माण करने वाले नकली ठेकेदार ने मजदूरों की जगह ट्रैक्टर और जेसीबी मशीन से निर्माण करवाया गया। जबकि ग्राम में कई सेकडो मजदूर बेरोजगार है। शासन लोगो को रोजगार मिले इसके लिए ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहद योजना बनाकर लोगो को मनरेगा के द्वारा रोजगार देने के लिए लाखो रुपया भेजती है, लेकिन ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव और सहायक सचिव और फर्जी चोर ठेकेदारों और जिले के में काबिज जवाबदार अधिकारी जिसमे उदयगढ़ सीईओ, सरपंच, सचिव और सहायक सचिव के साथ मिलकर नकली ठेकेदार जो भाजपा के नेताओ से साठ-गांठ कर भारी कमिशन देकर पंचायत से काम छीन कर खुद करते है और ग्राम पंचायतों में आम ग्रामीणों को मिलने वाले रोजगार को खत्म कर देते है। तो और राजस्व की नदी से सेकडो ट्रैक्टर बनडा निकालकर सड़क पर डाल रहे है जिससे राजस्व को भारी नुक्सान पहुंचा जा रहा है। साथ ही प्रकृति को भी नुकसान पहुंचा रहे है उसकी भी जांच होनी चाहिए। जबकि ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव व सहायक सचिव इसकी राशि निकालने के लिए फर्जी मस्टर का सहारा लेने जिसमे नकली मजदूरों के नाम मस्टर में डाले जायेगे और उनके खाता नंबर भी डाले जायेगे और फिर राशि ट्रांसफर करवाई जायेगी और फिर राशि का आहरण भी होगा और उसके बाद मशीनों का भुगतान किया जाएगा। जबकि मजदूरों से काम लेकर मजदूरी मजदूरों को मिलनी चाहिए जबकि ऐसा कुछ नही होगा। जिला कलेक्टर माननीय राघवेंद्र सिंह इस और विशेष ध्यान देकर इसकी जांच करावे क्योंकि इसमें मजदूरों से मजदूरी छीनी गई और नदी से बनड़ा निकालकर प्रकृति के साथ-साथ राजस्व विभाग को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। इस सुदूर सड़क निर्माण में हुए भ्रष्टाचार में सरपंच, सचिव, सहायक सचिव, ठेकेदार, जेसीबी मालिक और ट्रैक्टर मालिको को पर भी रिपोर्ट दर्ज कर अपराधिक कार्यवाही होनी चाहिए।

खुशियों की दास्तान...

अनिता ने मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की राशि मिलने पर धन्यवाद दिया

माही की गूंज, झाबुआ।

अनिता भूरिया ग्राम नल्दी छोटी स्कूल फलिया पोस्ट करड़ावद बड़ी तहसील व जिला झाबुआ की निवासी है। अनिता द्वारा लाडली बहना योजना का फार्म भरा गया था। अनिता कहती है कि वह फॉर्म इनका सफल हुआ एवं इनके खाते में एक हजार रुपए की राशि भी आ गई। अनिता ने उन पैसों को बैंक से निकालकर अपने बच्चों को पढ़ने के लिए बैग एवं किताबे खरीद कर दी। इस योजना से अनिता एवं उनके बच्चें बहुत खुश है। अनिता मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का बहुत-बहुत धन्यवाद देती है।

बाल सम्प्रेक्षण गृह झाबुआ का निरीक्षण एवं सूक्ष्म विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

प्रधान जिला न्यायाधीश लखनलाल गर्ग के निर्देशानुसार 28 जून को बाल सम्प्रेक्षण गृह झाबुआ का निरीक्षण एवं सूक्ष्म विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन द्वितीय जिला न्यायाधीश सुभाष सुनहरे एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गौतम सिंह मरकाम की अध्यक्षता में समपन्न हुआ।

शिविर में न्यायाधीशगणों ने निरूद्ध बच्चों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम एवं किशोर न्याय (बालका की देख-रेख और संरक्षण) अधिनियम के बारे में बताया साथ ही बच्चों से जीवन में अनुशासित होकर अच्छे नागरिक बनने की अपील की। शिविर में किशोरों को निःशुल्क विधिक सहायता सलाह के संबंध में बताते हुए कहा कि यदि किसी किशोर को निःशुल्क विधिक सहायता हेतु अधिवक्ता की आवश्यकता हो तो वह संस्था के अधीक्षक के माध्यम से अपना प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर सकते है।

किशोरों से पृथक-पृथक बातों की गई किशोरों की विधिक समस्याओं को सुना गया व उनका निराकरण करने हेतु अधीक्षक को उचित निर्देश दिये गये। शिविर पश्चात् बाल संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण कर भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं, मनोरंजन के साधन स्वच्छता व अन्य व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। शिविर में प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड सुश्री साक्षी मसीह, जिला विधिक सहायता अधिकारी सागर अग्रवाल, जेल अधीक्षक छगन सिंह बामनिया एवं स्टॉफ उपस्थित रहे।

शांति समिति की बैठक में नहीं आए लोग

माही की गूंज पारा।

आगामी धार्मिक त्योहारों को लेकर पारा पुलिस द्वारा पुलिस चौकी पर शांति समिति की बैठक रखी गई। इस बैठक में पारा गांव के कई लोगों को मोबाइल व्हाट्सएप के जरिए सूचना दी गई थी। त्योहारो को देखते हुए हमेशा की तरह स्थानीय पुलिस चौकी पर शांति समिति की बैठक रखी जाती रही हैं लेकिन गांव के लोग बैठक में नहीं आते। बैठक में गिने-चुने लोग हर बार शामिल होते हैं। उनमें से चार या पांच पत्रकार होते हैं और 8 से 10 गांव के लोग शामिल होते हैं। पारा पुलिस गांव के लोगों से सहयोग की अपेक्षा करती है मगर गांव के लोग पुलिस की कार्यप्रणाली को देखते हुए सहयोग नहीं करते।

चौकी प्रभारी को बताई समस्या

शांति समिति की बैठक में चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह राठौर ने गांव वालों से समस्या जानी, गांव के लोगों ने अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत करवाया। ग्रामीणों ने कहा गांव की ट्रैफिक व्यवस्था बेहाल है, बस स्टैंड पर ठेला व्यवसाय भी अपना ठेला सही नहीं लगाते। गांव के गली चौराहे पर भी वाहनों की अक्सर भीड़ लगी रहती है। चौकी प्रभारी ने समस्या सुनी व समाधान की भी बात कही। प्रभारी ने कहा पुलिस अपना काम करेगी पर आप गांव वाले का भी सहयोग पुलिस को चाहिए।

मामा के भांजे-भांजिया कागजी कार्यवाही में उलझे, चुनाव में कहीं मुद्दा न बन जाये

ई-केवायसी के फेर में फंसे स्कूली बच्चे, नवीन सत्र के प्रवेश के लिए सरकार का निर्णय बना परेशानी का सबब

माही की गूंज, पेटलावद।

स्कूलों का नवीन सत्र में शुरू होने को ओर लोक सेवा गारंटी कार्यालय में स्कूल ओर कॉलेज के नवीन सत्र में प्रवेश लिए आवश्यक प्रमाणपत्र के लिए भीड़ लगी हुई है। वर्तमान में बच्चों को आय, मूल निवासी ओर जाती प्रमाण पत्रों जैसी आवश्यकता जिसके लिए बड़ी संख्या में लोग आ रहे है। लेकिन सरकार द्वारा लोकसेवा के माध्यम से दी जा रही सेवाओ में नई खानापूर्ति को ठीक सत्र शुरू होने से पूर्व जोड़ दिया। जिससे परिजनों को परेशान होना पड़ रहा है। वर्तमान में जिन प्रमाण पत्रों की आवश्यकता है उसके ई-केवाईसी की बाध्यता शुरू कर दी है और इसके बिना कोई आवेदन जमा नही हो रहा है। ऐसा सरकार द्वारा ठीक सत्र शुरू होने के पहले किया गया। इससे पहले बिना ई-केवाईसी के आवेदन लोक सेवा की साइड पर अपलोड हो रहे थे। आवेदन जमा करवाते समय ई केवाईसी के बारे में जानकारी मिलने पर आवेदक को इसके लिए परेशान होना पड़ता है। लोक सेवा गारंटी वालो का कहना है कि, हम कुछ नही कर सकते हम आवेदन अपलोड करते है तो आवेदक की आधार ओर समग्र आईडी की ई केवाईसी मांगी जाती है जो लगभग 15 दिन पहले से शुरू हुआ इससे पहले ऐसा नही था ।

जाती प्रमाण पत्र ओर जन्म प्रमाण पत्र बने ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या

मध्यप्रदेश में भाजपा की स्थिति दयनीय बनी है उसका एक मुख्य कारण कागजी कार्यवाही भी है। जो ऑन-लाइन होने से दस्तावेज के अपलोड होने में सभी दस्तावेजो में नाम ,जन्म दिनांक सहित कई जानकारिया मांगी जाती है। ग्रामीणों के पास मौजूद दस्तावेजों में हेरफेर है जिसे सही करवाना मुसीबत बन चुका है। सबसे बड़ी समस्या फिलहाल जाती प्रमाण पत्र के लिए आ रही है, पुराने बने जाती प्रमाण पत्रों में जन्म दिनांक, परिवार आईडी आदि अपडेट नही होने से प्रोफ़ाइल नही बन पा रही, उधर जन्म दिनांक का सुधार बडी चुनोती बन गया है। पर्याप्त आधार सेंटर नही होने से आधार कार्ड अपडेट नही हो पा रहे तो अधिकांश आधार कार्डो में जन्म दिनांक गलत दर्ज है, जिसके सुधार के लिए स्कूल रिकॉर्ड को मान्य नही किया जा रहा एवं जन्म प्रमाण पत्र की मांग की जा रही है। नए जन्म प्रमाणपत्र की प्रक्रिया में परेशानी है ही सही पुराने हाथ से बने जन्म प्रमाण पत्र अलग मान्य नही किया जा रहे। न अस्पताल और ग्राम पंचायतों द्वारा इनको अपडेट कर करने की बजाये नए प्रमाणपत्र बनवाने के लिए कहा जा रहा है। कागजी कार्यवाही को लेकर परेशानी बढ़ती जा रही है जो भाजपा के लिए अब मुसीबत बन रही है क्योंकि जिन दस्तावेजों के अपडेशन ,सुधार और नवीन प्रमाण पत्रों की मांग की जा रही है उनके लिए पर्याप्त जानकारी और सुविधा उपलब्ध नही है । प्रशासन की ओर से इस प्रकार की कोई पहल या समय अवधि तय नही है, जिससे ग्रामीण ग्राम पंचायत, पटवारी, ऑन लाइन सेंटर, आधार सेंटर, तहसील कार्यालय के चक्कर लगा रहे है ।

आवेदन अपलोड पर लोक सेवा गारंटी में इस तरह ई केवाईसी नही होने पर आवेदन स्वीकार नही होते।

ट्रेंचिग ग्राउंड के पास सूखे तालाब में मिले मृत नवजात शिशु के परिजनों तक पहुंची पुलिस

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

मंगलवार सुबह बामनिया ट्रेंचिंग ग्राउंड के पास सूखे तालाब से मिले नवजात मृत शिशु के परिजनों का पता आखिर कुछ घण्टो में लगा लिया। मामले की जांच के लिए गठित टीम जिंसमे चौकी प्रभारी उप निरीक्षक अशोक बघेल एवं स्टाफ द्वारा मामले में लगातार त्वरित जांच कर परिजनों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया। जिस नवजात शिशु का मर्ग कायम हुआ था उसमे उसके परिजन का पता पुलिस द्वारा लगा लिया गया। पुलिस के मुताबित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बामनिया से मिली जानकारी अनुसार 25 जून को एक मरे हुए प्रीमेच्योर (अविकसित) बच्चा पैदा हुआ था, जिनके द्वारा मृत बच्चे का शव अमरगढ़ के कमलेश और उसकी पत्नी संगीता मुनिया निवासी अमरगढ़ का होना बताया है। मृत बच्चे के परिजन द्वारा जिस स्थान पर बच्चा गाडा था, वह स्थान सही बताया है। बच्चा किसी के खेत में गढ़ा था अभी खेती का समय होने से संभवतः खेत वाले द्वारा गड़े हुए शव का स्थान बदलने पर ये स्थिति बनी है। जिसका भी जल्द पता लगाया जायेगा। जांच में परिजनों के द्वारा भी मृत बच्चे का पैदा होना बताया है। बच्चे को परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सुपुर्द कर दिया गया है। गूंज अपील करता है इस प्रकार के बच्चों के लिए की अगर वो मृत होते है तो इनको सुरक्षित स्थान पर व्यसथित दफनाया जाये ताकि कुत्ते ,जंगली जानवर या अन्य किसी स्थिति में मृत शरीर बहार न आये।

नाहर बने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

माही की गूंज, थांदला। श्वेताम्बर स्थानकवासी, मूर्तिपूजक, दिगम्बर, तेरापंथ के सबसे बड़े जैन पत्रकारों के संगठन ऑल इण्डिया जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन (आईजा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुण्डिया ने झाबुआ ज़िले से सक्रिय पत्रकारिता कर संघ समाज की सेवा करने व संतों में बढ़ते शिथिलाचार पर अपनी प्रखर आवाज बुलंद करने के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय कार्यकारीणी में स्थान देते हुए पवन नाहर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। उनके राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाये जाने पर थांदला पत्रकार संघ व आईजा सदस्यों में प्रसन्नता व्यक्त कर बधाई देते हुए संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुण्डिया सहित राष्ट्रीय कार्यकारिणी व चयन समिति का आभार माना है।

राजस्व विभाग ने जीवित भाजपा मंडल कार्यालय मंत्री को किया मृत घोषित

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

राजस्व विभाग के कार्य राम भरोसे है, यहां कब किसको जिंदा ओर मुर्दा बता दिया जाए कोई भरोसा नही। ऐसा करने के पीछे कई बार मानवी भूल तो कई बार रिकॉड की हेरा फेरी के लिए योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया जाता है। ऐसा एक मामला सारंगी क्षेत्र में आया जहा जीवित व्यक्ति को रिकॉर्ड में मृत घोषित कर दिया गया। सबसे बड़ी बात मृतक बताये जाने वाला व्यक्ति वर्तमान में भाजपा के सारंगी मण्डल का कार्यलय प्रभारी है, सोचिए नेताओं की हालत ऐसी है तो अनपढ़ ग्रामीणों के साथ क्या हो रहा होगा। सारंगी हल्का राजस्व की जहां वास्तविकता में मरने वाला किसान कोई ओर है और राजस्व विभाग ने अपने राजस्व रिकार्ड में किसी ओर किसान को मार दिया। आखिर यह किस की गलती से या किसी ने यह जानबूझ कर, कर दिया है यह जांच का विषय है, क्योंकि जिस किसान को राजस्व रिकार्ड में मरा हुआ बताया जा रहा है वह हाल फिलहाल भारतीय जनता पार्टी मंडल सारंगी में कार्यालय मंत्री का दायित्व वान पदाधिकारी बाबु नाथुराम पाटीदार है और जो वास्तविकता में मरा है वह बाबु मथरा पाटीदार है। तो आखिर यह केसे हुआं की जीवित किसान बाबु नाथुराम पाटीदार को मृत बता दिया और आज सात-आठ माह होने आये है और अपने आपको पुनः राजस्व रिकार्ड में जीवित करवाने के लिए प्रयास कर रहा है, लेकिन केवल टाल मटोल किया जा रहा है। परेशान किसान ने अब तक तीन बार सीएम हैल्प लाइन पर भी अपनी शिकायत दर्ज करवाई है लेकिन वहां के बाद भी अभी तक राजस्व रिकार्ड में कोई संशोधन नहीं किया गया है और ना राजस्व विभाग के अधिकारी सिंधे मुंह किसान से बात करते हैं कि, कब तक रिकार्ड दुरस्त कर पुनः नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर मृत बता रखा । मृत ओर जीवित के फेर में पड़े नाथूराम पाटीदार राजस्व के कार्यों में बड़ी परेशानीया का सामना कर रहे है।

मानसून की शुरूआती बारीश में ही पंचायत की कार्यप्रणाली आई सामने, नाले से बेहरहा गंदा पानी

माही की गूंज, पारा। गजेंद्र चौहान

डैडी कांप्लेक्स में भरा पानी।

बोरी रोड चौराहे का नाला।

मानसून के पुर्व भले ही पंचायत ने नालियो की साफ-सफाई करवा दी हो लेकिन नालो की सफाई को नंजर अंदाज करना ग्रामवासियो को पहली मानसुन की बारिश में ही गंदगी से रूबरू होना पड़ा। दो-तीन दिन की बारिश से वातावरण में ठंडक घुल गई, शुरू बरसात में पूरा गांव तरबतर हो गया। बरसात के पहले ग्राम पंचायत द्वारा गांव की नालियों की साफ-सफाई की गई लेकिन गांव के बड़े नालों की सफाई पंचायत के नुमाइन्दो ने नही करवाई नतीजन पंचायत के जनप्रतिनीधी की अंनदेखी या फिर मनमानी जो भी हो पर नालो की सफाई नही होने के कारण नाले पूरी तरह जाम हो गए। नाले जाम होने से नालों के बजाय उसके ऊपर से बरसात के शुरूआती बारिस में ही गांव की गंदगी सड़कों से गंदा पानी बह रहा है। तेज बारिश से गांव के निचले हिस्से शंकर मंदिर प्रांगण व डैडी कांप्लेक्स में गंदा पानी भर गया। जिसके कारण मच्छरो से कई बिमारिया का भय शरूआती बारिश से ही मंडराने लगा है। कई दुकान गंदे बदबूदार पानी के बीच लोग लगा रहे हैं। मंदिर के समीप बीच रोड पर भी बारिश का पानी घुटने तक भर जाता है, जिस स्थान पर डाबरे भरे पड़े हैं उन से 10 फीट की दूरी पर ही बड़ा नाला है। डाबरा में नाली खोदकर नाले से मिलाया जा सकता है, तो पानी पूरा निकल जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय हिन्दु परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल ने मनाया स्थापना दिवस

माही की गूंज, पेटलावद।

अंतरराष्ट्रीय हिन्दु परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल (मालवा प्रांत) जिला झाबुआ की बेठक कृषि मंडी प्रांगण पर संपन हुई। बेठक मे मुख्य रूप से उपस्थित जिला कार्यकारी अध्यक्ष महेश कांत चौहान ने स्थापना दिवस को लेकर नई कार्य योजना बनाई। वह संगठन को मजबूत बनाने हेतु हिंदू हृदय सम्राट प्रवीन भाई तोगड़िया के मार्गदर्शन के द्वारा 24 जून को स्थापना दिवस को बड़े धूम धाम से मनाया गया। सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता को चौहान ने बधाईयां दी, संगठन के महत्व को बताते हुए संगठन विस्तार के लिए हिंदू युवाओं को अंतरराष्ट्रीय हिन्दु परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल में जोड़कर अपने धर्म की रक्षा करने के लिए स्वयं को आगे आना पड़ेगा। बैठक मैं उपस्थित महेश कांत चौहान, प्रेमसिंह भूरिया, प्रकाश, पवन गेहलोत, सुधीर चौधरी, सुजल मुनिया, आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे। अंतराष्ट्रीय हिंदू परिषद स्थापना दिवस के अवसर पर हिंदू धर्म योद्धाओं की घोषणा करवाई गई। पेटलावद तहसील एवम नगर कार्यकारणी का गठन कर दायित्व दिए गए सभी हिंदू धर्म योद्धाओं को मनोनीत किया गया।

नवनियुक्त को पवन गेहलोत, सुधीर चौधरी, पियूष ठाकुर (लाला भाई) सभी कार्यकर्ताओं बहुत-बहुत बधाइयां दी।

यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला कार्यकारी अध्यक्ष हिंदू धर्म योद्धा महेश कांत चौहान के द्वारा दी गई एवं बैठक का आभार प्रेम सिंह भूरिया ने माना।

बीज की किल्लत, कृषि विभाग अलर्ट पर

माही की गूंज, थांदला।

बीज की किल्लत और महंगे दामों पर व्यापारियों द्वारा बीज बेचने की शिकायत के बाद राजस्व और कृषि विभाग अलर्ट हो चुका है। साप्ताहिक हाट बाजार में कृषि विभाग द्वारा किसानों को जागरूक करने के लिए मुनादी भी करवाई गई। इस मुनादी में किसानों को कपास के बीजों का मूल्य और अन्य जरूरी हिदायतें भी दी गई है। जानकारी देते हुए वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी जीआर चौहान ने बताया कि, पिछले कुछ दिनों से किसानों, राजनीतिक पार्टियों, जागरूक नागरिकों द्वारा थांदला के बाजारों में महंगे दामों पर बीज विक्रय की शिकायत की गई थी। शिकायत के बाद नगर की तीन फर्मों थांदला के तीन बीज व्यापारियों पर लगातार वैधानिक कार्रवाई हुई है। इनमें सूरज, आदिनाथ और नवकार एग्रो एजेंसी शामिल है। वैधानिक कार्रवाई भी की गई है। साथ ही किसानों को जागरूक करने के लिए कृषि विभाग द्वारा मुनादी करवाई गई है इस मुनादी में यह महत्वपूर्ण बातें कही गई हैं।

कपास बिजी 1 मूल्य 635 रू प्रति पैकेट, कपास बीजी 2 कीमत 853 रु प्रति पैकेट,. यूरीया प्रति बोरी मूल्य रु 266.50 रु प्रति बोरी, निर्धारित विक्रय मूल्य से ज्यादा मूल्य पर बेचना निषेध हैं। कृषको द्वारा जो भी आदान खरीदा जाता है उसका पक्का बील अवश्य प्राप्त करें। क्षेत्र में यदि कोई अनजान व्यक्ति गाँव में घुम कर मोटरसाईकिल, साईकिल, लारी, ठेले या किसी भी साधन पर बीज अथवा अन्य कृषि आदान बेचता हुआ दिखे तो उससे आदान नही खरीदें एवं इसकी सुचना तत्काल कृषि विभाग राजस्व विभाग को दे। किसानो को सलाह दी जाती है कि, खेत में या नमी कम से कम 6 इन्च तक की मिट्टी गीली होने के बाद या क्षेत्र में 3 इन्च वर्षा होने के बाद ही बुवाई करें।

स्वघोषित जनसेवको की होड़, चुनाव में प्रत्याशी बनने के सपने संजोए खूब धन खर्च कर रहे ये जनसेवक...

माही की गूंज, आलीराजपुर।

जिले में जनसेवकों की होड़ मची हुई है, खासकर जोबट विधानसभा क्षेत्र में शादियों से लेकर अन्य आयोजनों में जब ये स्वघोषित जनसेवक जाते हैं तो अपने साथ निजी फोटोग्राफरों की टीम भी ले जाते हैं। जो इनकी हर दिखावी हरकतों को अपने कैमरे में कैद कर उसे सोशल मीडिया पर वायरल करें ताकी क्षेत्र के लोगों को ये दिखा सकें की वे ही एकमात्र उनके असली जनसेवक है। ये सब करने के पीछे इनका सिर्फ एक ही लक्ष्य है और वो है अपनी राजनीति चमकाकर। आगामी चुनाव में टिकिट लेकर चुनाव लड़ना... पर कहते हैं ना की ÷÷ना नौ मन तेल होगा और ना राधा नाचेगी÷÷ बस वैसी ही गत इनकी हो रही है।

ये स्वघोषित जनसेवक सपने तो बड़े-बड़े देख रहें हैं, और उसी के चक्कर में धन भी अच्छा खास खर्च कर रहे हैं। इन जनसेवकों ने तो गम को भी अवसर समझ रखा है, किसी के घर में अगर मृत्य हो जाती हैं तो ये स्वघोषित जनसेवक जब उनके घर बैठने जाते हैं तो उसके भी फोटो खीच कर सोशल मीडिया पर डाल देते हैं। अब ये देखना मजेदार होगा की अघोषित जनसेवकों पर क्या पार्टी विश्वास जताकर आगामी चुनाव में प्रत्याशी बनाती हैं या फिर वहीं कहावत ÷मुंगेरी लाल के हंसिन सपने÷ चरितार्थ होगी।

किसानों को बोनी के लिए झमाझम बारिश का इंतजार, तो कुछ कम बारिश में भी बोनी में जुटे

माही की गूंज, सारंगी।

ग्रामीण अंचल में कम बरसात होने के बाद भी किसान बोनी करने जुट गए है। आम आदमी के साथ क्षेत्र के किसान भी झमाझम बारिश का इंतजार कर रहे हैं बीज और खाद तैयार है, जैसे ही झमाझम बारिश का एक और दोर शुरू होगा इसके बाद खेतों में बोनी का दौर तेजी से शुरू हो जाएगा। हालांकि इस बार की बोनी में किसान 10 से 12 दिन लेट हो गए हैं अभी मानसून की आहट के साथ ही खेतों में किसानों की चहल कदमी बढ़ गई है, वही मानसून आगमन के पहले किसान जमीन तैयार कर बैठे हैं तो किसी के खेत में जुताई हो रही है तो कोई बोनी कर रहा है। जमीन की उर्वरता बढ़ाने के लिए किसान खेतों में गोबर खाद भी डाल रहे हैं, अधिकांश किसानों ने बोनी कर दी है। क्षेत्र के अधिकांश किसानों ने सोयाबीन, मक्का, कपास की बोनी की है। दो-तीन दिन की झमाझम बारिश के बाद कहीं पर ज्यादा तो कहीं पर कम पानी गिरा है। लेकिन किसानों ने यह समझकर बोनी कर दी की एक-दो दिन में अच्छी वर्षा होगी कुछ क्षेत्र में पानी गिरा है तो कुछ में नहीं या फिर बूंदाबांदी हुई है। दो-तीन दिनों में पानी गिरता है तो किसानों को नुकसान होगा और स्थिति दोबारा बोनी पर आ जाएगी आसमान में छाए हुए हैं बादल बूंदाबांदी हो रही है जिस झमाझम वर्षा की आवश्यकता है,

वह अभी देखने में नहीं आई है। ऐसे में किसान चिंतित है और बादलों की ओर देख रहा है अगर हवा रुक जाती है और कम दबाव का क्षेत्र में बनता है तो पानी गिरना शुरू हो जाएगा। अभी मौसम का मिजाज कभी ठंडा तो कभी गर्म चल रहा है इस कारण बादल पूरे वेग से नहीं बरस रहे हैं। आसमान में बादल जरूर दिख रहे हैं लेकिन पानी गिरने की क्षमता उन बादलों में नहीं बन पा रही हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों ने भी किसानों से कहा है कि, 4-5 इंच पानी गिरने के बाद ही बोनी शुरू करें, लेकिन अधिकांश किसानों ने कम वर्षा में भी बोनी कर दी है, क्योंकि बोने का समय होगा है और मौसम वैज्ञानिक भी वर्षा की संभावना बता रहा है। इस बार सोसाइटी के माध्यम से किसानों को मानसून के पहले खाद की उचित व्यवस्था करा दी गई। किसान अब बस मानसून बारिश का इंतजार कर रहे हैं। सारंगी आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था के मैनेजर मनोहर लाल वर्मा ने बताया कि, इस बार खाद की किल्लत नहीं होगी। बीते तीन-चार सीजन में खाद के लिए होने वाली मारामारी देखकर विभाग ने प्रशासन के सहयोग से इस बार खाद आसानी से उपलब्ध कराने की योजना बनाई हैं। इस बार नई वैरायटी की सोयाबीन की तरह किसानों का आकर्षण ज्यादा है बीज लेने के लिए व्यापारियों से संपर्क कर रहे हैं किसान क्षेत्र की जमीन के आधार पर फसल का चयन कर रहे हैं।

संपादकीय

विपक्ष की लामबंदी लोकतंत्र के लिए अच्छा है

ऐसे वक्त में जब आम चुनाव के लिये एक साल से भी कम समय बचा है, राजग का विकल्प बनाने की कोशिशें सिरे चढ़ाने की पहल शुरू हुई है। पटना में नीतीश कुमार की पहल पर जुटे एक दर्जन से अधिक विपक्षी दलों की उपस्थिति को विपक्षी एकता की दिशा में सकारात्मक कदम ही कहा जाएगा। इस बैठक में केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को हटाने के साझा लक्ष्य पर विचार-मंथन हुआ। वैसे वर्ष 2014 व 2019 के लोकसभा चुनावों में प्रचंड जीत दर्ज करने वाली भाजपा को हटाना इतना आसान भी नहीं है, क्योंकि विपक्षी पार्टियों खासकर कांग्रेस की ताकत अभी के कुछ वर्षों में कम हुई है। हालांकि, हाल के वर्षों में पहली बार कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल पटना में जुटे, लेकिन मतभेद-मनभेद दूर करने के लिये अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। खासकर दिल्ली सरकार की शक्तियों पर केंद्र सरकार के अध्यादेश के मुद्दे पर कांग्रेस व आम आदमी पार्टी में मतभेद बने हुए हैं। जिसे विपक्षी एकता के प्रयासों को लेकर अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। जिसका आम जनता में अच्छा संदेश तो कदापि नहीं जाएगा। इसके साथ ही मतदाताओं में विश्वास पैदा करने के लिये कई जटिल मुद्दों को अभी सुलझाने की जरूरत होगी। बहरहाल, अभी विपक्षी एकता की कोशिशें शुरू हुई हैं और विभिन्न राजनीतिक दलों को लेकर राज्यों में सामंजस्य बैठाने की जरूरत होगी। विपक्षी साझेदारी को व्यावहारिक बनाने की भी जरूरत है। इसमें दो राय नहीं कि देश में स्वस्थ लोकतंत्र के लिये मजबूत विपक्ष अपरिहार्य ही है। यदि देश में विपक्ष मजबूत होगा तो सत्ता पक्ष के निरंकुश व्यवहार पर अंकुश लगाने की कोशिशें सिरे चढ़ सकेंगी। कह सकते हैं कि विपक्षी एकजुटता के लिये अभी कई परीक्षाएं शेष हैं। यह भी हकीकत है कि पटना बैठक में कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आए। लेकिन आगे संवाद की स्थिति बनी रहने की जरूरत पर बल दिया गया। अगली बैठक का शिमला में आयोजित किया जाना विपक्ष की एकता की इन्हीं कोशिशों का ही विस्तार है।

हालांकि, पटना बैठक में केंद्र सरकार के अध्यादेश के विरोध के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी व कांग्रेस पार्टी में सहमति नहीं बन सकी, लेकिन इससे एकता के प्रयासों को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। हमें स्वीकारना होगा कि कुछ माह पूर्व तक एकता की ऐसी स्थिति नजर नहीं आ रही थी। साथ ही कांग्रेस की भूमिका को लेकर भी तमाम विपक्षी दल सहमत नहीं थे। तब विपक्षी एकता की बजाय तीसरा मोर्चा बनाने की बात कही जा रही थी। देर-सवेर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रयास रंग लाते नजर आ रहे हैं। यही वजह थी कि यह बैठक गैर कांग्रेस शासित विपक्षी राज्य में आयोजित की गई। अब इसी कड़ी में दूसरी बैठक कांग्रेस शासित राज्य हिमाचल में आयोजित करने का फैसला किया गया है। निस्संदेह, इस आयोजन में कांग्रेस पार्टी की बड़ी भूमिका रहने वाली है। यह आने वाला वक्त बतायेगा कि विपक्षी क्षत्रप किस सीमा तक एकता के प्रयासों में कांग्रेस की भूमिका स्वीकार करते हैं। साथ ही यह भी कि तमाम विरोधाभासों के साथ देश में सीटों के बंटवारे का कोई सर्वमान्य फार्मूला तय हो पाता है कि नहीं। जाहिर है एकता के प्रयासों के बीच समय-समय पर कई अन्य विवादित मुद्दे सामने आएंगे। भाजपा भी अपने सारे पत्ते विपक्षी एकता के मुकाबले के लिये खेलेगी। निश्चित रूप से केंद्र सरकार में होने का अतिरिक्त लाभ भाजपा को मिलेगा। विगत में भी विपक्ष का आरोप रहा है कि केंद्र सरकारी एजेंसियों का प्रयोग विपक्ष को कमजोर करने के लिये कर रहा है। यह विपक्षी एकता के सूत्रधारों पर निर्भर करेगा कि वे आने वाले समय में उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से कितनी कुशलता से निबट पाएंगे। यह भी कि एकता के प्रयास आम चुनाव से पहले तक किस हद तक मूर्त रूप ले पाते हैं। बहरहाल, किसी जीवंत लोकतंत्र के भविष्य के लिये सशक्त विपक्ष का होना वक्त की मांग जरूर है।

समान संहिता से धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र को मजबूती

संपूर्ण संप्रभुता-संपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक, गणराज्य भारत के संविधान के अंतर्गत भाग- चार में 'समान नागरिक संहिता' अनुच्छेद-44 के माध्यम से राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों में वर्णित है। इसमें कहा गया है कि 'राज्य, भारत के समस्त राज्यक्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता प्राप्त कराने का प्रयास करेगा।' यहां यह ध्यान देना दिलचस्प है कि इसी संविधान के अनुच्छेद-37 में यह परिभाषित है कि राज्य के नीति निर्देशक तत्व सम्बन्धी प्रावधानों को किसी भी न्यायालय द्वारा प्रवर्तित नहीं किया जा सकता है, लेकिन इसमें निहित सिद्धांत शासन व्यवस्था में मौलिक प्रकृति के होंगे। 'समान नागरिक संहिता' से देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून होता है, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या समुदाय से क्यों न हो। वर्तमान में मुसलमानों, ईसाइयों और पारसियों के लिए अपने अलग-अलग व्यक्तिगत नियम हैं जबकि हिंदू दीवानी कानून के तहत हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध आते हैं।

भारत में सामयिक प्रचलित व्यवस्था के विपरीत, 'समान नागरिक संहिता' इस विचार पर आधारित है कि सभ्य समाज में धर्म और व्यक्तिगत कानून के बीच कोई संबंध नहीं होता है तथा इसमें विवाह, तलाक, रखरखाव/भरण-पोषण, बच्चों को गोद लेने, संरक्षकता-विरासत, और संपत्ति के बंटवारे/उत्तराधिकार जैसे सभी विषयों को धर्मों-जातियों-समुदायों के लिए समान रूप से लागू किया जाता है। भारत में समान नागरिक संहिता वाले 'गोवा' राज्य के अलावा वर्तमान में अधिकांश भारतीय कानून जैसे भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872; साक्ष्य अधिनियम, 1872; संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम, 1882; नागरिक प्रक्रिया संहिता, 1908; माल-विक्रय अधिनियम, 1930; भागीदारी अधिनियम, 1932; दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 आदि पुरे भारतवर्ष में सम्पूर्ण एकरूपता से लागू किये जाते हैं।

नागरिक कानूनों में भी समरूपता लाने के लिए अलग-अलग समय पर न्यायपालिका ने अक्सर अपने निर्णयों में पुरजोर आवाज उठाई है कि सरकार को समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। इस संदर्भ में 'शाह बानो' मामले में दिया गया 1985 का निर्णय सर्वविदित है, तथा 1995 का 'सरला मुद्गल' वाद व 2017 का 'शायरा बानो' मामले भी इस संबंध में काफी चर्चित हैं।

अब प्रश्न उठता है कि जिस देश में सदियों से 'अनेकता में एकता' के नारे लगते आ रहे हों तो फिर व्यक्तिगत कानूनों में एकरूपता से आपत्ति क्यों? धर्मनिरपेक्ष-गणराज्य में धार्मिक प्रथाओं के आधार पर विभेदित नियम क्यों? एक संविधान वाले इस देश में

लोगों के निजी मामलों में भी एक कानून क्यों नहीं है? क्या धार्मिक प्रथाओं का संवैधानिक संरक्षण मौलिक अधिकारों के अनुरूप नहीं होना चाहिए? एकरूपता से देश में राष्ट्रवादी भावना को बल देने में आपत्ति क्यों? व्यक्तिगत कानूनों में मौजूद लैंगिक पक्षपात का पक्षधर कौन। क्या भारतवर्ष में 'एक पत्नी - एक विधान' का नारा, सपना ही बनकर रह जायेगा?

जहां एक तरफ अल्पसंख्यक समुदाय नागरिक संहिता को संविधान के अनुच्छेद-25 का हनन मानते हैं, वहीं दूसरी तरफ बहुसंख्यक समान नागरिक संहिता की कमी को अनुच्छेद-14 का अपमान मानते हैं। ध्यानाकर्षण बात यह है कि अनुच्छेद-25 किसी भी धर्म को मानने और प्रचार की स्वतंत्रता को संरक्षित करता है, वहीं अनुच्छेद-14 निहित समानता की अवधारणा को संरक्षित करता है। समय की नज़ाकत है कि समान नागरिक संहिता की नाजुकता केवल सांप्रदायिकता की राजनीति के संदर्भ में नहीं की जानी चाहिए। सभी व्यक्तिगत कानूनों में से प्रत्येक में पूर्वाग्रह और रूढ़िवादी पहलुओं को रेखांकित कर मौलिक अधिकारों के आधार पर उनका परीक्षण किया जाना चाहिए। धार्मिक रूढ़िवादी दृष्टिकोण के बजाय समान नागरिक संहिता को चरणबद्ध तरीके से लोकहित के रूप में स्थापित किया जाना अपेक्षित भी है और आवश्यक भी। इस बात में कोई दो राय नहीं हो सकती कि सभी व्यक्तिगत कानूनों को संहिताबद्ध किया जाना प्रयोजनीय है, और यह प्रक्रिया न्यायिक प्रणाली को अत्यधिक सरल-सहज और प्रत्यक्ष-पर्याप्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।

भारत जैसे विविधतापूर्ण विकासशील देश में जहां विभिन्न धर्मों के लोग रहते हैं, सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए और धर्मनिरपेक्ष-गणराज्य भारत की अपरिहार्यता है कि धार्मिक स्थलों/आयोजनों के सरकारी प्रायोजन/विनियमन को संविधान में वर्जित किया जाना चाहिए। न्यायाधीश ऋतुराज अवस्थी के कुशल नेतृत्व में बाइसवें भारतीय विधि आयोग द्वारा सार्वजनिक सूचना के माध्यम से बड़े पैमाने पर जनता और मान्यताप्राप्त धार्मिक संगठनों से विचारों को आमंत्रित करने की पहल उल्लेखनीय होने के साथ-साथ प्रशंसनीय भी है। समान नागरिक संहिता से देश में विभिन्न धर्मों के लोगों में धार्मिक मतभेदों को कम करने में मदद मिलेगी, कमजोर वर्गों को सुरक्षा मिलेगी, कानून सरल होंगे और धर्मनिरपेक्षता के आदर्श का पालन करते हुए लैंगिक न्याय सुनिश्चित होगा। परन्तु सरकार को लोगों, विशेषकर अल्पसंख्यकों की आशंकाओं को दूर करना होगा और उन्हें आश्वस्त करना होगा कि उनके अधिकारों का उल्लंघन नहीं किया जाएगा। इसी संदर्भ में लोकतांत्रिक व्यवस्था में चौथे स्तंभ के दायित्व को सकारात्मक रूप से निभाते हुए मीडिया की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि मीडिया राष्ट्र का संसाधन होता है और उसकी विश्वसनीयता जनता के सरोकारों और जनविश्वास पर ही टिकी होती है। मीडिया को भारतीय विधि आयोग की सार्वजनिक सूचना के बारे में बड़े पैमाने पर जनता को जागरूक करना चाहिए। साथ ही स्वतंत्र रूप से स्वस्थ बहस चलानी चाहिए ताकि परिपक्व लोकतंत्र में जनभागीदारी को सुनिश्चित किया जा सके।

डॉ. भारत

'नियम संहिता एक समान हो, समता का सबको गुमान हो, हर मजहब का मान रहे पर, पहला मजहब संविधान हो!'

अंततोगत्वा भारत जैसे विविधतापूर्ण, विकासशील, विशालकाय देश में समान नागरिक संहिता का कार्यान्वयन 'समय की मांग' ही नहीं अपितु 'संविधान का मान' भी है, और जो अनुच्छेद इतने वर्षों से एक मृत-पत्र बना हुआ है उसे लागू करने का अब उचित अवसर आ गया है। निःसंदेह, यह सरकार और प्रत्येक हितधारक के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा, परन्तु महत्वपूर्ण बात यह है कि लोगों को इसमें योगदान देना चाहिए और इसके बारे में अपने बहुमूल्य सुझाव प्रदान कर राष्ट्रव्यापी यज्ञ में अपनी पुण्य आहुति प्रदान करनी चाहिए ताकि संविधान सर्वोपरि सिद्ध हो सके।

सरकारी जवाबदेही व समाज की संवेदनशीलता जरूरी

क्षमा शर्मा

कोई भी दिवस किसी समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए घोषित किया जाता है। पिछले दिनों अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस मनाया जाना बताता है कि दुनिया में बुजुर्गों की स्थति विकट है। हेल्पेज इंडिया का 60 से 90 वर्ष तक की आयु की शहरी-ग्रामीण करीब आठ हजार महिलाओं पर अध्ययन गहरे निहितार्थ सामने लाता है। अध्ययन में शामिल बीस राज्यों, पांच महानगरों और दो केंद्रशासित प्रदेशों की महिलाओं में से सोलह प्रतिशत ने बताया था कि उन्हें मारपीट सबसे अधिक झेलनी पड़ती है। साथ ही तमाम तरह की बदसलूकी जैसे कि बात-बात पर अपमान, गाली-गलौज , खाना न देना, मनोवैज्ञानिक मसले आदि शामिल हैं।

चौंकाने वाली बात यह कि सर्वे में शामिल चालीस प्रतिशत महिलाओं ने बुरे व्यवहार के लिए बेटों को जिम्मेदार माना। इकत्तीस प्रतिशत ने रिश्तेदारों के द्वारा हिंसा झेली तो सत्ताइस प्रतिशत ने इसके लिए बहुओं को जिम्मेदार माना। ज्यादा चिंताजनक बात यह कि ये महिलाएं परिवार और आसपास के लोगों से इतना डरती भी हैं कि पुलिस को बुरे व्यवहार की सूचना नहीं देती हैं।

विडंबना है कि यह सिर्फ महिलाओं की ही समस्या नहीं है, बड़ी संख्या में पुरुष भी पीड़ित हैं। इस तरह का प्रामाणिक अध्ययन जरूर किया जाना चाहिए। सरकारी बेरुखी के बीच देश में बुजुर्गों की संख्या दस करोड़ के आसपास बताई जाती है। वे वोटर्स भी हैं

लेकिन किसी राजनीतिक दल की चिंता के केंद्र में नहीं दिखाई देते। उन्हें तो एक तरह से फ्यूज बल्ब मान लिया जाता है जो किसी के काम के नहीं हैं, न समाज के, न सरकार के, न दो पैसे कमाने लायक बल्कि अपने हर काम के लिए दूसरों पर निर्भर। तो जो निर्भर है भला उसकी मदद कोई क्यों करे। इसीलिए बुजुर्गों के प्रति बदसलूकी बढ़ती जाती है और हम आंखें मूंदें रहते हैं। मीडिया भी इनकी समस्याओं की अनदेखी करता है क्योंकि बुजुर्गों के झुर्रीभरे चेहरे चैनल्स की चमकदार और युवा दुनिया के किस काम के।

बहुत दिन पहले एक वीडियो देखा था कि एक बेहद कृशकाय बूढ़ी महिला को एक युवा स्त्री घसीटकर लाती है और सड़क किनारे उसे उठा-उठाकर पटकती है, बार-बार। पीटती जाती है। बूढ़ी महिला चीख-चिल्ला रही है। रो रही है। वह बचने की कोशिश भी कर रही है, मगर बच नहीं पाती। उसे बचाने का प्रयास कोई राहगीर नहीं करता। बुढ़िया चिल्लाती रहती है, लेकिन लगता है कि सड़क से गुजरते लोग बहरे हो गए हैं। यह बहरापन, हमें किसी से क्या मतलब की भावना और दूसरे के दुःख से निरपेक्षता को दर्शाता है, जो हिंसा करने वालों का हौसला बढ़ाता है। और जब तक हम खुद हिंसा का शिकार न हों, हमें चिंतित भी नहीं करता। जो स्त्री उस बूढ़ी महिला को पीट रही थी, वह निश्चित तौर पर उसके परिवार की सदस्य ही रही होगी। सवाल उठा कि बाहर के हिंसक व्यवहार से तो शायद निपटा भी जा सके, लेकिन परिजनों के हिंसक व्यवहार का निवारण कैसे हो।

बुजुर्गों के प्रति अपनों द्वारा हिंसा, भेदभाव, प्रापर्टी अपने नाम कराकर उन्हें बेदखल कर देने आदि की खबरें लगातार आती रहती हैं। लेकिन शायद ही कोई इन पर ध्यान देता है। बल्कि सरकारों में बड़े पद पर बैठे बहुत से लोग ही बुजुर्गों को देश की अर्थव्यवस्था पर बोझ बताने लगते हैं। हां अदालतें जरूर अकसर बुजुर्गों के पक्ष में फैसले देती हैं, मगर अदालतों तक कितने बुजुर्ग पहुंच पाते हैं। कितनों के शरीर में इतना दम होता है और संसाधन भी कि वे अदालतों तक पहुंच सकें।

शहरों में ऐसे बुजुर्ग भी बड़ी संख्या में मिलते हैं जो स्वस्थ हैं। आर्थिक संसाधनों की भी कोई कमी नहीं, लेकिन उनके पास समय काटने का कोई साधन नहीं। जिनके बच्चे साथ रहते हैं, चाहे घर बुजुर्गों का ही हो, वहां कोई सम्मान नहीं। यह भावना भी बराबर बनी रहती है जैसे कि बच्चे उनके साथ रहकर उन पर बड़ा भारी अहसान कर रहे हों। कई बार तो बच्चे बुजुर्गों का सारा पैसा हड़प लेते हैं और उन्हें असहाय छोड़ देते हैं।

ऐसे में यदि उनके साथ मारपीट और हिंसा भी होने लगे और अस्वस्थ होने की अवस्था में इलाज और देखभाल की भी कोई व्यवस्था न हो तो ये लोग कहां जाएं? सरकारें यदि चाहें तो इनके अनुभव का लाभ उठा सकती हैं। इनकी योग्यता के अनुसार इन्हें काम देकर समाज में इनकी भूमिका बढ़ सकती है। साथ ही इनका आत्मविश्वास भी बढ़ सकता है। हां, जो इनके प्रति बुरा सलूक करे, उससे भी सरकार निपटने की व्यवस्था करे, पुलिस बदसलूकी का संज्ञान ले, वरना तो इनका जीवन ही दूभर हो जाएगा।

कुछ साल पहले एक मित्र अपना मकान बेचकर बेटे के पास अमेरिका चले गए। अभी गए एक महीना भी शायद नहीं बीता था कि उनका फोन रात के बारह बजे आया। उनका कहना था कि जब उनके बहू-बेटे दफ्तर चले गए हैं, तब वे फोन कर रहे हैं। जितनी जल्दी हो सके लौटना चाहते हैं। क्या उनके लिए एक किराए के मकान की व्यवस्था हो सकती है। बोले बच्चो के कहने पर कभी अपनी छत नहीं छोड़नी चाहिए। आप कहीं के नहीं रहते।

ऐसे किस्से इन दिनों आम हो चले हैं। विडंबना कि देश में ऐसी बेशुमार कहानियां बिखरी पड़ी हैं जहां सब कुछ होते हुए भी उनके परिजनों ने उनके अपने ही घर से बाहर कर दिया।

क्रिकेट व खिलाड़ियों की गरिमा में संतुलन जरूरी

गुरबचन जगत

कुछ ही दिन हुए हैं जब आईसीसी विश्व टेस्ट मैच प्रतियोगिता का फाइनल मैच भारत के 'अरबपति क्रिकेटरों' और ऑस्ट्रेलिया के व्यावसायिक खिलाड़ियों की टीमों के बीच हुआ, ऐसा कहने के लिए क्षमा चाहूंगा। ऑस्ट्रेलियाइयों ने थके और पस्त भारतीयों को बड़े अंतर से धो डाला। जहां भारतीय टीम के अधिकांश खिलाड़ी लगभग तीन महीने चली आईपीएल प्रतियोगिता खेलकर आए थे वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम में दो ही खिलाड़ी थे, जिन्होंने आईपीएल में भाग लिया था।

मैंने लेख का आरंभ अंतिम दृश्यावली से किया जबकि शुरुआत आरंभ से होनी चाहिए थी अर्थात जब 1950 के दशक से मेरी यादें क्रिकेट से जुड़ने लगीं। तब मैं पुणे में स्कूली विद्यार्थी था और क्रिकेट का शौक उन दिनों भी था। उस वक्त टेस्ट मैच और रणजी ट्रॉफी ही क्रिकेट के मुख्य प्रारूप थे। टेस्ट मैच खेलने वाले देशों में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, भारत, वेस्ट इंडीज़ और पाकिस्तान थे। टेस्ट मैच पांच दिन चलता और बीच में एक दिन आराम का होता। उन वक्त के चोटी के क्रिकेट खिलाड़ी आज की किंवदंतियां हैं और यदि मेरी याद?दाश्त सही है तो वे सब शौकिया खिलाड़ी ही थे। वे आजीविका के लिए किसी सरकारी या निजी संस्थान में नौकरी किया करते थे। गिनाने को बहुत नाम याद आ रहे हैं लेकिन किसी और दुनिया की यह सूची लंबी हो जाएगी।

यह 1970 का दशक था, जब हमें पहली मर्तबा ऑस्ट्रेलिया के चैनल नाइन के अरबपति मालिक कैरी पैकर द्वारा शुरू किए गए नई किस्म के सीमित ओवरों वाले एक दिवसीय क्रिकेट मैच देखने को मिले और इसकी विश्व सीरीज़ चली। उस वक्त सोच थी कि पूर्ण कालिक बनने को खिलाड़ियों को माकूल पैसा नहीं मिल पा रहा। साथ ही, कलर टीवी के आने से खेलों से जुड़े टेलीविजन कार्यक्रमों में ज्यादा रुचि जगने लगी, जिससे चाहे-अनचाहे खेल, कंपनियों के प्रायोजन और टेलीविजन के प्रति आसक्ति भरे घालमेल ने जन्म लिया। गौरतलब है कि एक भी भारतीय खिलाड़ी ने इस सीरीज़ में भाग नहीं लिया था। यहां मैं सर डोनाल्ड ब्रैडमैन (हालांकि उन्हें खुद को 'सर' कहलवाना पसंद नहीं था) के शब्दों को उद्धृत करूं तो- 'कुछ खासियतों को मैंने बहुत सहेज कर रखा और जिन्हें मैं खेल कौशल के साथ जरूरी समझता हूं। वह यह कि एक खिलाड़ी को अपनी जिंदगी इ ज्ज त , ईमानदारी, साहस और शायद सबसे अहम है, नम्रता,

के साथ जीनी चाहिए'। ब्रैडमैन खुद ताजिंदगी इन खूबियों की जिंदा मिसाल रहे। लेकिन आज हमें क्या देखने को मिल रहा है?

जैसे-जैसे तकनीक विकसित होती गईदृ पिछले कुछ दशकों में तो इसने कुलांचें भरी हैंदृ सबसे बड़ा असर संचार और संप्रेषण के माध्यमों पर पड़ा है। यह सफर अखबारों से शुरू होकर रेडियो-टेलीविज़न और वर्तमान में मोबाइल फोन जैसे माध्यम तक आया है, जो अपनी तकनीकी क्षमता की बदौलत हमें वास्तविक समय में खबरें, घटनाएं, वीडियो, फिल्में, पॉडकास्ट इत्यादि की सुविधा मुहैया करवा रहा है। मनोरंजन उद्योग भी कई गुणा बढ़ा है और लोगों का ध्यान खींचने में चैनलों, एप्लीकेशंस, वेबसाइटों को कड़ी टक्कर दे रहा है। व्यू, लाइक, फॉलोअर्स इत्यादि नई शब्दावली ने जन्म लिया है। बेशक ग्राफिक्स अधिक कल्पनाशील और दिलकश हो रहे हैं, लेकिन नतीजे में दर्शक को बांधे रखने की अवधि न्यूनतम होती जा रही है - क्योंकि उसे तो तुरत-फुरत आनंद चाहिए। पांच दिवसीय क्रिकेट के दिन लद गए या कहें तो 50 ओवर वाला एक दिवसीय मैच भी इतिहास हो चला है। आज तो टी-20 का युग है। कॉर्पोरेट्स के अलावा मीडिया और विज्ञापन बनाने वाले इसे हाथों-हाथ ले रहे हैं। सबसे अहम, दर्शक भी तेज गति के और नस-नस में उत्तेजना भरने वाले इस तमाशे के मुरीद हैं दृ रोमन ग्लैडिएटर्स की भांति आज के क्रिकेटर चौकों-छक्कों से लोगों को रोमांच से भर देते हैं। इस सब में सवाल पैदा होता हैदृ क्या यह क्रिकेट है?

बीसीसीआई दिनोदिन अमीर होती चली गई और आईपीएल की बोली में दुनियाभर के क्रिकेटर अपनी कीमत लगवा रहे हैं। राजनेताओं द्वारा संचालित बीसीसीआई विश्व में सबसे ज्यादा धनी क्रिकेट बोर्ड है और क्रिकेटर और खेल आयोजकों पर खुलकर खर्च करने की हैसियत रखता है। जैसे प्राचीन काल में कभी दासों की मंडी लगा करती थी, आज क्रिकेट खिलाड़ियों की बोली लगती है और बोलीदाता फ्रेंचाइज़ी मालिक हैं। इस सब में, किसी की व्यक्तिगत या क्रिकेट की गरिमा कहां रह गई? जब आप किसी फ्रेंचाइज़ी के लिए वस्तु बन गए तो वह जैसे चाहे इस्तेमल करेगा या नहीं? आईपीएल बोली से अपना नाम वापस लेने के बाद ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज़ मिचेल स्टार्क ने गार्जियन अखबार को कहा- 'लेकिन यह करके मैंने खुद को ऐसी स्थिति में रखना चाहा है ताकि ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना सर्वोत्तम क्रिकेट दे सकूं... मुझे इसका कोई अफसोस नहीं, पैसा आता-जाता रहेगा, लेकिन जो मौका मिला (राष्ट्रीय टीम में), उसके लिए बहुत शुक्रगुजार हूं। पिछले 100 सालों के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में 500 से कम खिलाड़ी हैं, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया की टीम में खेलने का मौका मिला है। इसका हिस्सा बनना अपने आप में बहुत खास है।'

धनी बीसीसीआई चाहती तो सभी राज्यों में क्रिकेट एकेडमियां शुरू करती, जहां पर उभरते युवा खिलाड़ियों में कौशल और ऐसे मूल्य भरे जाते जो किसी को न केवल महान खिलाड़ी बल्कि विनम्र इंसान बनाने लिए जरूरी हैं। केवल क्रिकेट ही नहीं, धन की कमी से जूझने वाले तमाम खेल संघों की मदद होनी चाहिये। उदाहरणार्थ, हॉकी संघ, जहां पुनरुद्धार चल रहा है या फिर एथलेटिक्स में, जहां दर्जनों नए 'नीरज चोपड़ा' (जेव्लिन थ्रोअर) बनने की संभावनाएं मदद की बाट जोह रही हैं।

ब्रांड्स प्रोमोशन से लेकर विज्ञापनों में छाये क्रिकेटर आज के नए मॉडल हैं। इस मामले में वे बॉलीवुड सितारों को पछाड़ रहे हैंदृ हर चीज बेचकर। दरअसल, बॉलीवुड और क्रिकेट की दुनिया एक-दूसरे में हिल-मिल रहे हैं जिससे दोनों के बीच वैवाहिक संबंधों का युग शुरू हो गया है। आज चोटी के क्रिकेटरों की आमदनी सैकड़ों करोड़ रुपये में है और एक की कमाई तो 1000 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। इस खेल में आगे शामिल हुए बुकीदृ वैसे भी जहां बहुत ज्यादा पैसे का प्रवाह हो, वहां यह कैसे न होंगे? आम आदमी हो या पैसे वाला, जिसे देखो वह मैचों पर धन लगा रहा है... मामला हर ओवर का हो या गेंद-दर-गेंद का, सट्टा बाजार में बड़े दांव लगते हैं। वे शौकिया खिलाड़ी जो खेल को प्यार की वजह से खेलते थे, उस संस्कृति के नहीं थे जहां पर पैसा बनाना ही एकमात्र प्रयोजन हो। निश्चय ही गिरावट आयी है। क्या हम खेल और खिलाड़ी की गरिमा के बीच संतुलन बनाए रखने वाला तरीका नहीं ढूंढ़ सकते? देश के दूर-दराज से उठकर आये खिलाड़ियों को सफल और मशहूर होते देखना प्रेरणास्पद होगा। उन्हें न केवल नाम कमाने की चाह है बल्कि अपने परिवार को ऊपर भी उठाना है। परंतु क्या बोली में किसी उच्चतम बोलीदाता के हाथ बिकना और कॉर्पोरेट्स द्वारा खेल का दोहन करके मुनाफा कमाना ही एकमात्र रास्ता बचा है? मैं सोचता हूं कि लाला अमरनाथ, विजय मर्चेंट, विजय हजारे, वीनू मांकड़ जैसे पुराने खिलाड़ी यदि आज होते तो इस पर क्या कहते? पुनः डॉन ब्रैडमैन के शब्द उधार लूं तो- 'मेरी दुनिया कविता पढ़ने और क्रिकेट देखने का योग है, और जैसा कि बहुत से विचारक भी मानेंगे, यह दोनों जुदा नहीं हैं'। बिना शक, यहां उनका प्रयोजन टेस्ट क्रिकेट से था।

राज्यमंत्री परमार ने हरी झंडी दिखाकर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को किया रवाना

माही की गूंज, शाजापुर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से 5 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने इनमें से तीन वंदे भारत ट्रेन को वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रेन में यात्रा कर रहे बच्चों के साथ संवाद भी किया। बच्चों ने अपने प्रिय प्रधानमंत्री से खुलकर बातचीत की।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शाजापुर जिले के मक्सी रेल्वे स्टेशन पहुंचने पर प्रदेश के स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री इंदरसिंह परमार, कलेक्टर किशोर कन्याल, मक्सी नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि मोहनसिंह पटेल, नगर परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि मोढ़सिंह, विजय सिंह बैस, सुनील देथल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने चालक दल का स्वागत किया। इस दौरान राज्यमंत्री परमार सहित अन्य अतिथियों ने अगले स्टेशन के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान वन्दे भारत ट्रेन में आए कलाकारों के साथ राज्यमंत्री परमार ने झूम-झूम कर नृत्य भी किया। राज्यमंत्री परमार ने शुजालपुर रेल्वे स्टेशन से मक्सी रेल्वे स्टेशन तक वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार होकर यात्रा भी की। इसके उपरांत वंदे भारत एक्सप्रेस में मक्सी रेल्वे स्टेशन से उज्जैन रेल्वे स्टेशन के लिए बच्चों सहित अन्य यात्रियों ने निःशुल्क यात्रा कर आनंद लिया।

मक्सी रेल्वे स्टेशन पर रेल्वे विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर कन्याल ने कहा कि, वन्दे भारत एक्सप्रेस के संचालित होने से अपने जरूरी कामों के लिए कम समय में अपने गंतव्य तक पहुंचने में आसानी रहेगी। उन्होंने कहा कि, वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की स्पीड 110 घंटे प्रति किलोमीटर है, जिसे आगे और भी बढ़ाया जायेगा, जिससे अपने गंतव्य तक जल्दी व कम समय में पहुंचा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि, वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के जिले के शुजालपुर एवं मक्सी में स्टॉपिज के लिए प्रस्ताव रेल्वे को भेजा जायेगा। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री एवं रेल्वे मंत्रालय को धन्यवाद दिया। इसके पूर्व मण्डल परिचालन प्रबंधक गोपाल लाल मीणा ने वन्दे भारत एक्सप्रेस की विशेषताओं के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम का संचालन उमेश कुमार शर्मा ने किया एवं आभार सहायक मंडल अभियंता लखनलाल अहिरवार ने माना। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर, अनुविभागीय अधिकारी नरेन्द्र नाथ पाण्डेय, स्टेशन प्रबंधक अजय कुमार वर्मा, वरिष्ठ परिवहन निरीक्षक संजय कुमार झा सहित गोपाल पटेल, सुश्री पुष्पा जुगलकिशोर भावसार, माखसिंह पाटीदार, पार्षदगण एवं जनप्रतिनिधिगण, मीडिया प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं नागरिकगण मौजूद थे।

चोट्टो को बुलेट पसंद है...

बदमाशों ने गुलमोहर कॉलोनी से दो बुलेट चुराई, कॉलोनी में अंजान चेहरों पर रखें कड़ी नजर

भाजपा जिला उपाध्यक्ष और परिजन की तलाश में एक बुलेट मिली, बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर हो गए फरार

माही की गूंज, रतलाम।

पिछले कई माह से शहर में मोटरसाइकिल चोर सक्रिय है। खास कर वो चोर जिनको बुलेट पसंद ये चोर लगातार शहर और इसके आसपास के क्षेत्र से बुलेट बाइक को निशाना बना कर चुरा रहे है। शहर में एक बार फिर चोरों ने एक कॉलोनी से दो बुलेट चोरी की वारदात को अंजाम दिया है और जिला मुख्यालय पर मुख्य सड़कों सहित पॉश कॉलोनी में बाइक चोर फिर बेख़ौफ़ घूमने लगे हैं। गुलमोहर कॉलोनी में बदमाशों ने भाजपा जिला उपाध्यक्ष की बुलेट पर हाथ तो साफ किया लेकिन तत्परता का परिणाम यह रहा की बुलेट मिल गई। परन्तु बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल में फरार हो गए। वारदात की अगली सुबह जिला उपाध्यक्ष को पता चला की बदमाश पड़ोसी की बुलेट भी चुरा ले गए हैं। बैंक कॉलोनी, शास्त्रीनगर सहित शहर के कई पॉश इलाके ऐसे हैं, जहां बदमाश फिर सक्रिय हो चुके हैं। वर्तमान में पुलिस गश्त में वापस बरती जा रही नर्माहट का उदाहरण गुलमोहर कॉलोनी में दो बुलेट चोरी होने की वारदात हैं। वारदात सोमवार रात 10 बजकर 12 मिनट की सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है।

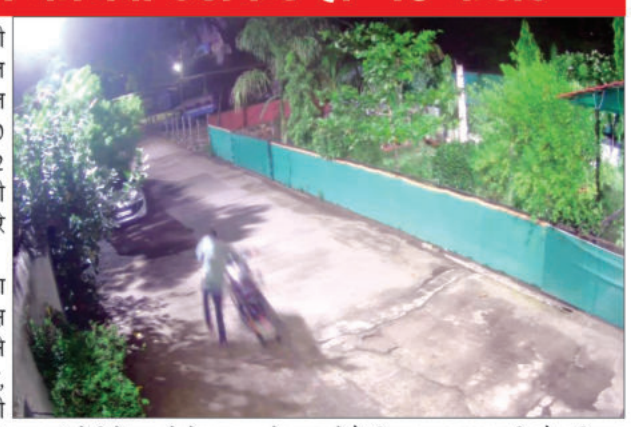

भाजपा जिला उपाध्यक्ष बलवन्त भाटी ने को बताया कि, परिवार के सभी सदस्य भोजन के बाद कॉलोनी में घूम रहे थे। इस दौरान घर के बाहर खड़ी बुलेट नहीं दिखाई दी। जिला उपाध्यक्ष भाटी ने तत्काल सीसीटीवी फुटेज देखे और भाई भीमसिंह भाटी को सूचना दी। दोनों भाइयों और परिवार के अन्य सदस्यों ने बुलेट की खोजबीन शुरू की। इस दौरान उन्हें सूचना मिली की उनकी बुलेट के आगे-पीछे के नम्बर हटाकर बदमाश सनावदा-सालाखेड़ी मार्ग से गुजर रहे हैं। जिला उपाध्यक्ष भाटी और परिजन ने मार्ग के दोनों तरफ ओवर ब्रिज पर घेराबंदी की। बदमाशों ने उन्हें दूर से देखकर बुलेट बीच में छोड़ जंगल में भाग गए। बदमाशों को जंगल में करीब 1 घन्टे तक खोजा परन्तु नहीं मिले। मंगलवार सुबह भाटी और परिजन को जानकारी मिली की बदमाश पड़ोसी की बुलेट भी जल्द सुबह चोरी कर ले गए।

लड़की ने मुस्लिम से की शादी तो पिता ने थाने में ही सिर पर डाला कफन

एसआई समेत दो पुलिसवाले लाइन हाजिर

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में एक पिता ने अपनी जीती जागती बेटी को थाने के अंदर ही कफन ओढ़ा दिया। बेटी को कफन ओढ़ाने के साथ ही पिता ने उस पर फूल माला मी चढ़ा दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।बताया जा रहा है कि, हिंदू लड़की ने मुस्लिम लड़के से डेढ़ साल पहले लव मैरिज की थी। इस बीच, लड़की ने इस्लाम धर्म भी कुबूल कर लिया है। लड़की का पिता इसी बात से नाराज था। उसने बेटी को कफन ओढ़ा कर अपनी ओर से मृत घोषित कर दिया।

यह पूरा मामला मंदसौर जिले के नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के कयामपुर गांव का है। नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के कयामपुर की एक लड़की घर से भाग कर मुस्लिम लड़के से डेढ़ वर्ष पहले शादी कर ली। घर से भागने के बाद दोनों मुंबई में जाकर रहने लगे। लड़की ने अपने घर वालों को कुछ भी नहीं बताया था। इधर, पिता ने अपनी बेटी के लापता होने की रिपोर्ट पुलिस में लिखवा दी थी। पुलिस लड़की के तलाश में जुटी हुई थी।

मेरे लिए मर गई बेटी- पिता

जब पुलिस को पता चला की लापता लड़की मुंबई में रह रही है। तो पुलिस ने थाने में उसे कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए बुलाया। पुलिस ने लड़की के पिता को भी थाने में बुलाया। पिता को जब पता चला कि, बेटी ने मुस्लिम लड़के से शादी कर इस्लाम धर्म कुबूल कर लिया है। तो उसने थाने में ही बेटी पर कफन ओढ़ा कर फूल और माला भी चढ़ा दी। कहा कि, आज से मेरे लिए बेटी मर गई है।

एसआई समेत दो पुलिसवाले लाइन हाजिर

थाने के अंदर जीती जागती बेटी पर कफन ओढ़ाए जाने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने पर पुलिस वालों पर भी गाज गिर गई। मंदसौर एक एसपी अनुराग सूजनिया ने एसआई जगदीश ठाकुर और दो सिपाही को लाइन हाजिर कर दिया है। एसपी सूजनिया ने पुलिस पर लापरवाही बरतने के आरोप के साथ ही इस मामले में जांच के आदेश भी दिए हैं।

निजी फायनेंस कम्पनी के कमर्चारी ने सल्फास खाकर की खुदकुशी, पिछले कई दिनों से था परेशान

स्टाफ के बयान और मोबाइल कॉल डिटेल की जांच से होगा कारणों का खुलासा

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के ग्राम करिया में प्राइवेट फायनेंस कंपनी के कर्मचारी ने जहर खाकर मौत को गले लगा लिया। सोमवार रात जहर खाने के बाद 23 वर्षीय युवक को जिला अस्पताल रेफर किया गया था। उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई जिसके बाद जांच में जुटी पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस अब मृतक युवक के सहकर्मी स्टाफ और परिजन के बयान के साथ मोबाइल कॉल डिटेल के आधार पर जांच कर कारणों को पता लगाने की कोशिश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार जितेंद्र पिता गोपाल पाटीदार उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम करिया सोमवार रात 8.30 बजे रतलाम की फाइनेन्स कंपनी से ड्यूटी कर घर पहुंचा था। तबीयत बिगड़ने पर पूछताछ में जितेंद्र ने परिजनों को सल्फास की तीन गोली खाना बताया। परिजन उसे तत्काल सैलाना सामुदायिक स्वास्थ केंद्र लाए, गंभीर हालत देख डॉक्टर ने जितेंद्र को जिला अस्पताल रेफर किया। देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृत जितेंद्र के पिता गोपाल पाटीदार ने बताया कि, वो पिछले तीन दिनों से परेशान चल रहा था। पूछने पर परिवार के किसी भी सदस्य को कुछ नहीं बताया। मंगलवार दोपहर मेडिकल कॉलेज में शव का पोस्टमार्टम कर परिजन के सुपुर्द किया। जांच अधिकारी ध्यानसिंह सोलंकी ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चला है। मामले में परिजन और फायनेंस कंपनी में कार्यरत सहकर्मी सहित मोबाइल कॉल डिटेल के आधार पर आत्महत्या के कारणों का खुलासा होगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

भैंसों से भरी पिकअप लूटने की वारदात का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

गुजरात के चित्तौड़गढ़ जिले के सदर निम्बाहेड़ा थाने के धीनवा पेट्रोल पंप के पास से गत 5 जून को उज्जैन जिले के कामली खेड़ा निवासी ज्ञानसिंह पुत्र नागुलाल गुर्जर की भैसों से भरी पिकअप लूट के मामले का खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसी लूट के मामले में 15 जून को सदर निम्बाहेड़ा पुलिस तीन आरोपियों को पिपलिया मंडी से डिटेन कर ला रही थी, जो अपने साथियों के साथ मिल पुलिस पर हमला कर फरार हो गए थे। साथ में पुलिस के हथियार भी लूट कर ले गए थे।

पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि, 5 जून को कामलीखेडा जिला उज्जैन निवासी ज्ञानसिंह पुत्र नागु लाल गुर्जर ने थाना सदर निम्बाहेडा पर अपनी रिपोर्ट दो थी। इसमें बताया कि, वह संजय गुर्जर और भगवानसिंह बलाई रानीवाडा सांचोर जिला जालोर से तीन भैंसे खरीद कर पिकअप में भर कर अपने गांव कामलीखेड़ा जा रहे थे। धीनवा पट्रोल पम्प के पास पहुंचे बिना नम्बरी बाइक पर बैठे तीन बदमाशों ने उनकी पिकअप को रुकवा दिया। कुछ ही देर मे दो और बाइक पर 4-5 लोग आए। आरोपियों ने प्रार्थी और उसके साथियों को नीचे खिंच कर डाल दिया और पिकअप की चाबी छीन ली। लठ व पत्थरों से मारपीट करते हुए करीब 150 मीटर दूर जंगल मे लाईट के पोल पर तीनों को बांध दिया। बाद में पिकअप को भैंसो सहित लूट कर ले गये। पिकअप के साथ तीनों के मोबाइल व 14 हजार रुपये नगद भी लूट लिए। घटना की रिपोर्ट पर सदर निम्बाहेड़ा थाने पर लूट का प्रकरण दर्ज जांच उप निरीक्षक नारूलाल के जिम्मे की। पुलिस टीम वारदात में शामिल आरोपियों को नामजद किया गया व शातिर बदमाश होने से टीम ने एमपी पुलिस के सहयोग से दो को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया। वहीं तीन को नामजद किया है। तीनों नामजद आरोपियों को सदर निम्बाहेड़ा पुलिस 15 जून को मंदसौर जिले के पिपलिया मंडी से डिटेन कर ला रही थी, जो अपने अन्य साथियों के साथ मिल कर नीमच के पास पुलिस के साथ मारपीट कर हथियार लूट कर भाग गए थे। इसमें एसआई नारूलाल के दोनों पैरों की जांघो में गोली लगने व एक कांस्टेबल के हाथ की उंगली पर गोली लगने से घायल हुए थे। उक्त फरार तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी पर मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रत्येक पर 30-30 हजार रुपये के ईनाम की घोषणा की थी। इनमें से दो आरोपियों लखन बावरी व नरेन्द्र बावरी को मंदसौर पुलिस व चित्तौड़गढ़ पुलिस ने इनके ठिकानों पर लगातार दबिश देकर आमजन के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया है। इन्हें चित्तौड़गढ़ लाया जाएगा, जिनसे जिले में अन्य कई लूट व नकबजनी की वारदातें खुलने की संभावना है।

कलेक्टर ने मीडिया प्रतिनिधियों से विकास के मुद्दों पर की चर्चा

माही की गूंज, शाजापुर।

कलेक्टर किशोर कन्याल ने शाजापुर जिले में आगामी 10 वर्षों में किये जाने वाले विकास के मुद्दों को लेकर मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा की। उन्होंने विकास कार्यों के संबंध में मीडिया प्रतिनिधियों से उनके सुझाव भी प्राप्त किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मीडिया प्रतिनिधिगण मौजूद थे।

कलेक्टर कन्याल ने कहा कि, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा एबी रोड पर ब्लैक स्पॉट पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने लिए कार्य किया जायेगा। शाजापुर एबी रोड के दोनों ओर 100 मीटर में पेवर्स लगाए जायेंगे, इसके लिए स्वैच्छा से व्यापारियों एवं अन्य सक्षम लोग आर्थिक रूप से सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि, गौशालाओं को एक्टिव मोड पर रखकर घूमने वाले आवारा-पशुओं को गौशालाओं में रखा जायेगा। साथ ही उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश राजपत्र 01 नवम्बर 2022 अनुसार मवेशियों अथवा अन्य पशुओं को सार्वजनिक सड़कों अथवा स्थानों पर छोड़ने अथवा बांधने पर 1000 रूपये का जुर्माने से दण्डनीय है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के गुलाना में प्रदेश के प्रथम सीएम राईज विद्यालय के लोकार्पण के प्रस्तावित कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

कलेक्टर ने बताया कि, उनके पास जिले में विकास कार्यों के लिए सुझाव प्राप्त हुए हैं, जिसमें शुजालपुर से भोपाल बायपास मार्ग, शुजालपुर एवं कालापीपल में रेल्वे ओवरब्रीज निर्माण, भैरव डूंगरी पर बनने वाले सीएम राईज विद्यालय में 1000 लोगों की संख्या में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए ऑडिटोरियम बनाने, शाजापुर के लिए जिला जेल के सामने नवीन बस स्टेण्ड निर्मित करने, मक्सी में फेज-2 के माध्यम से बियर फैक्ट्री का अपडेशन करने सहित आदि सुझाव शामिल हैं।

इस दौरान कलेक्टर ने मीडिया प्रतिनिधियों से भी विकास कार्यों के संबंध में सुझाव भी आमंत्रित किये। इस अवसर पर मीडिया प्रतिनिधियों ने खेल मैदान, ओपन जिम, बस स्टेण्ड पर साईन बोर्ड लगाने, वाहन पार्किंग, ट्रांसपोर्ट नगर, पेयजल एवं गर्ल्स कॉलेज में वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय शासन स्तर से प्रारंभ करने, पर्यटन योग्य स्थलों सहित विभिन्?न गतिविधियों और कमियों की ओर ध्यान आकर्षित किया। कलेक्टर कन्याल ने जानकारी देते हुए बताया कि, शाजापुर जिला प्रदेश में जनसेवा अभियान के प्रथम चरण में प्रथम एवं द्वितीय चरण में द्वितीय स्थान पर रहा था। इसी तरह महिला एवं बाल विकास विभाग की लाड़ली बहना योजना डीबीटी सक्रियता में द्वितीय, राजस्व विभाग की मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना (पटवारी सत्यापन) में प्रथम, भू अभिलेख डाटा परिमार्जन में प्रथम, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (बैंक खाता आधार लिंकिंग) में चौथे, पीएम किसान ईकेवायसी में सातवे, पीएसम किसान लेण्ड रिकॉर्ड लिंकिंग में तृतीय पीएम किसान योजना अंतर्गत आईपीपीबी में एकाउंट खोलने में तृतीय, शासकीय विद्यालयों के कक्षा 1 से 8वी तक के नामांकन में द्वितीय तथा शासकीय एवं अशासकीय में तृतीय तथा सीएम हेल्पलाइन माह मई में प्राप्त शिकायतों के निराकरण में चतुर्थ स्थान पर रहा है।

वृद्धा लीलाबाई के कमरे पर लगा अब उसका खुद का ताला, जनसुनवाई में आई वृद्धा की गुहार पर कलेक्टर ने की मदद

माही की गूंज, रतलाम।

जिला कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी के नेतृत्व में चल रही जनसुनवाई अब आम जनता के लिए न्याय का बड़ा मार्ग बन चुकी है। यहां कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी कई मामलो में तुरंत कार्यवाही कर वर्षो से परेशान लोगो की समस्या का हल कर देते है। कलेक्टर की कार्य प्रणाली की मुख्यमंत्री खुद कई बार तारीफ कर चुके है। हालांकि बाकी जिलों में जनसुनवाई कार्यक्रम से कोई अछी खबर नही आई लेकिन रतलाम कलेक्टर ने इस जनसुनवाई को नया मुकाम देने में कोई कोर कसर नही छोड़ी। यहाँ जिला स्तरीय जनसुनवाई में मंगलवार को सिलावटों का वास रतलाम निवासी लीलाबाई ने गुहार लगाई कि उसके छोटे पुत्र उसे अपने मकान में रहने नहीं दे रहे हैं। उसके कमरे पर ताला लगा दिया है, वह अब अपने बडे पुत्र के साथ अन्यत्र स्थान पर रही है परन्तु अपने पति के मकान में रहना चाहती है लेकिन छोटे दोनों पुत्र रहने नहीं दे रहे हैं। बुजुर्ग महिला के आवेदन पर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा तहसीलदार ऋषभ ठाकुर को महिला की मदद के निर्देश दिए गए। कलेक्टर के निर्देश पर तहसीलदार ठाकुर महिला को लेकर उसके पैतृक आवास में पहुंचे, उसके कमरे पर छोटे पुत्रों द्वारा लगाया गया ताला खुलवाकर वृद्धा लीलाबाई का ताला लगवाया। अब बुजुर्ग महिला लीलाबाई अपनी मर्जी से अपने कमरे, अपने घर में आ-जा सकेगी। लीलाबाई के पति का देहांत हो चुका है। कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी द्वारा बुजुर्ग महिला की मदद करते हुए तत्काल तहसीलदार शहर ऋषभ ठाकुर को बुलवाकर उनके शासकीय वाहन से मौके पर भेजा जाकर आवेदिका को उसके घर में प्रवेश दिलवाए जाने का निर्देश दिए जिसके पालन में तहसीलदार द्वारा आवेदिका को उनके घर के भीतर प्रवेश करवाकर पानी भी पिलाया एवं मौके पर पंचनामा तैयार किया। इस दौरान राजस्व निरीक्षक मेहरबान सिंह, पटवारी शैलेंद्र व्यास एवं शिखा चतुर्वेदीए एवं पुलिस बल उपस्थित रहा। जिला स्तरीय जनसुनवाई में 176 आवेदनों पर निराकरण के निर्देश संबंधित विभागों को जारी किए गए।

प्रज्ञा हार्डवेयर की दुकान चलाने वाले कर रहे हैं स्कूल भवन रिपेयरिंग का कार्य

प्रूफिंग कार्य के नाम पर पूरी राशि के दो चेक ले लिए और स्कूल भवन रिपेयरिंग रह गई अधूरी

सब इंजीनियर और प्रज्ञा हार्डवेयर के मालिक ने मिलकर स्कूल भवन रिपेयरिंग में किया भ्रष्टाचार

माही की गूंज, जोबट। अनिल हरवाल

बारिश के मौसम के चलते राज्य सरकार ने शासकीय स्कूल भवनों की मरमत के लिए शासकीय स्कूलों की छत की वाटर प्रूफिंग के लिए लाखो रुपए खर्च करने के बाद भी स्कूल भवन रिपेयरिंग के कार्य में बड़ी लापरवाही बरती जा रही है। काम को देखकर भ्रष्टाचार किए जाने की आंशका है। अधिकारियों ने एक फर्म से वाटर प्रूफिंग का कार्य करवा लिया। कुछ संस्थाओं के शिक्षकों का कहना है, एक ही ठेकेदार से कार्य कराने का दबाव उन पर बनाया गया। भुगतान भी पूरा कर लिया, लेकिन अब तक काम पूरा नहीं हुआ।

दरअसल, वाटर प्रूफिंग का कार्य शाला के प्रभारी शिक्षकों द्वारा स्वयं के माध्यम से करवाना था, लेकिन अब मामले में बीईओ विनोद कुमार कोरी पर सवाल उठ रहे हैं। कहा जा रहा है, उन्होंने एक ही फर्म से काम कराने का दबाव बनाया। आरोप है कि, विद्यालयों के शिक्षको पर दबाव बनाकर जोबट की किसी प्रज्ञा हार्डवेयर फर्म से स्कूल की छतों पर वाटर प्रूफिंग करा ली गई। इसी फर्म के नाम से लाखों रुपए के चैक भी दे दिए गए। काम सही नहीं होने के कारण शालाओं में बारिश के दौरान पानी टपकना तय माना जा रहा है। ऐसे में मामलो की जांच जिला अधिकारियों द्वारा की जाना चाहिए।

बड़ा खुटाजा मा. विद्यालय में छत वाटर प्रुपिंग तो हो गई लेकिन छत के नीचे की दीवार पूरी तरह से टूटी हुई है। माही के गूंज के संवादाता ने स्कूलों में पहुंचकर जांच पड़ताल की तो बहुत सारी कमियां सामने आई।

बड़ा खुटाजा की माध्यमिक स्कूल में छत की रिपेयर कार्य खिड़कियां वेलिंडग एवं वाटर प्रूफिंग कार्य के लिए पहली किस्त में 2 लाख 17 हजार आए थे। जिसका पहला चेक 11 मई 2023 को 1 लाख 50 हजार का दिया गया। जिसका चेक नम्बर 75 है। दूसरा चैक 30 मई 2023 को 65 हजार का दिया गया। जिसका चैक नम्बर 76 है। दोनों चैक प्रज्ञा हार्ड वेयर जोबट फर्म के नाम से दिए गए। लेकिन शासकीय उत्कट माध्यमिक विद्यालय में ना ही तो अंदर छत रिपेयर की गई ना ही क्रेक व फटी हुई दीवारों पर पलास्टर किया गया। कुल 2 लाख 15 हजार के चैक दे दिए गए। आज़ाद नगर विकास खण्ड में ग्राम बड़ा खुटाजा के साथ ग्राम बड़गांव के माध्यमिक स्कूल में भी 2 लाख 23 हजार की पहली किस्त आई थी। छत की वाटर प्रूफिंग भी प्रज्ञा हार्ड वेयर जोबट के नाम पहला चैक 19 अप्रेल 2023 को 80 हजार का दिया गया। जिसका चैक नम्बर ÷000107÷ है। दूसरा चैक 85 हजार का 6 मई 2023 को दिया गया जिसका चैक नम्बर ÷000109÷ है। कुल 1 लाख 65 हजार का के चैक दिए गए।

अधूरा काम था इसलिए नहीं दिया चैक

गिरधा माध्यमिक विद्यालय की भी जांच पड़ताल की तो यहां शिक्षकों ने बताया विद्यालय का रिपेयर कार्य व छत की वाटर प्रूफिंग करना थी लेकिन इंजीनियर अश्विन डागर ने मना कर दिया कि सभी स्कूलों का रिपेयर व वाटर प्रूफिंग के काम का जिले से ठेका हुआ है। ठेका जोबट वाले किसी ठेकेदार को दिया गया है। आप भी इनसे ही रिपेयर का काम कराए। लेकिन उनके द्वारा छत पर सही तरीके से काम नहीं किया गया। स्कूल के दो कमरे की छत की है पर घटिया कार्य किया गया है। स्कूल में भी अंदर की छत व दीवार ऐसी ही फ़टी हुई है। जबकि दो अन्य स्कूल के कमरे भी बाकी है। बारिश का मौसम शुरू होने जा रहा है। इसमें अगर स्कूल में बच्चों को बैठना हो तो कहां बैठाकर पढ़ाएंगे। शिक्षक पर दबाव बनाकर चैक देने को कहा था लेकिन शिक्षक ने कहा जब तक अधूरा कार्य पूरा नहीं हो जाता मैं चैक नही दूंगा। वहीं रोलीगाव माद्यमिक विद्यालय में खिड़की नही है व पूरी तरह से सड़ चुकी है।

पलटी खा गए बीईओ

पूरे मामले में जब विनोद कुमार कोरी बीईओ चन्द्रशेखर आज़ाद नगर से चर्चा की गई तो उनका कहना है की, वाटर प्रूफिंग का कार्य बीईओ कार्यालय से नहीं होता है, पीटीए के माध्यम से होता है। इसका भुगतान व चैक किस फर्म को दिया है मुझे नहीं पता। अगर कोई स्कूल बच्चों के बैठने के लिए सही नहीं है तो आप हमें बताए उसे सही करवा देंगे।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कार्यकर्ता और पुलिस में हो गई थी झड़प, आरोपी भाजपा नेता

निर्दलीय प्रत्याशी ने जेल में ही जीता था चुनाव पांच लोगों के खिलाफ हुई थी शिकायत

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

पुलिस को थप्पड़ मारना भाजपा नेता को भारी पड़ गया। आठ वर्ष बाद आये कोर्ट ने निर्णय में नेता जी को दो वर्ष की सजा और अर्थदंड से दंडित किया। हालांकि 3 वर्ष से कम सजा होने के कारण जमानत भी हो गई। फिलहाल जेल नहीं जाना पड़ा। मामले में चार लोगों को कोर्ट ने बरी किया है। अब वे सजा निलंबन के लिए उच्च न्यायालय की शरण लेंगे।

ये था मामला

वर्ष 2014 में नगर पालिका परिषद चुनाव के दौरान प्रचार प्रसार चल रहा था। 1 दिसंबर को अंतिम दिन भाजपा नेता और निर्दलीय प्रत्याशी अनिल दसेड़ा के समर्थक और पुलिस में झड़प हो गई। जानकारी मिलते ही प्रत्याशी दसेड़ा भी मौके पर पहुंचे। विवाद इतना बढ़ा कि तत्कालीन एएसआई शिवांशु मालवीय को थप्पड़ जड़ दिया। पुलिस ने दसेड़ा सहित पांच लोगों पर प्रकरण दर्ज हुआ और दसेड़ा को गिरफ्तार किया गया। जिस दिन मतदान हो रहा था उस दिन वह जेल में ही थे और निर्दलीय प्रत्याशी के रुप मे दसेड़ा ने 3 हजार से अधिक वोट से जीत दर्ज कर अध्यक्ष की सीट पर काबिज हुए। प्रकरण कोर्ट में चला और न्यायाधीश ने शासकीय कार्य में बाधा डालने के आरोप में प्रत्याशी दसेड़ा को न्यायाधीश एमएस ताहेड़ ने 2 वर्ष की सजा और 10 हजार के अर्थदंड से दंडित किया। निलेश दसेड़ा, राजेश दसेड़ा, दीपक पोरवाल और फतेह लाल जैन को साक्ष्य के अभाव में बरी किया। हालांकि सजा के बाद दसेड़ा की सजा तीन साल से कम होने के कारण जमानत भी मिल गई। दसेड़ा अब सजा निलंबन के लिए उच्च न्यायालय की शरण लेंगे।

चलित पशु चिकित्सा इकाई ने किया लाली का सफल उपचार

माही की गूंज, बड़वानी। शहर में चलित पशु चिकित्सा इकाई के डाक्टर ने मंगलवार को दोपहर 2 बजे लाली नाम की कुत्ती का ईलाज कर उसकी जान को बचाया है। उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. सीके रत्नावत से प्राप्त जानकारी अनुसार 1962 नंबर पर एनवीडीए कालोनी बड़वानी से फोन आया कि उनके कालोनी में एक कुतिया को कार ने टक्कर मार दी है। जिससे वह दर्द से तड़प रही है। चलित पशु चिकित्सा इकाई के डॉ. साक्षी दुबे, डॉ. मनीष सतपुड़ा एवं डॉ. नरेन्द्र गर्ग ने जाकर लाली नाम की कुत्ती का ईलाज किया। उसे मौके पर ही दवाईयां एवं एंटी बायोटिक इंजेक्शन लगाये गये तथा लाली के पैर में सूजन होने से डाक्टरों द्वारा यह सलाह दी गई कि कल उसे अस्पताल लेकर आये जिससे उसका सम्पूर्ण जांच एवं ईलाज किया जाये। डॉ. रत्नावत ने बताया कि जिले में चलित पशु चिकित्सा इकाई के 9 वाहन संचालित है। जिला मुख्यालय पर एक वाहन, विकासखण्ड राजपुर, बड़वानी, पाटी, ठीकरी, पानसेमल एवं निवाली में 1-1 वाहन तथा विकासखण्ड सेंधवा में 2 वाहन संचालित है। उन्होने बताया कि 1962 टोल फ्री नंबर है तथा इस नंबर पर पशु चिकित्सा के संबंध में 24 घंटे में किसी भी समय काल किया जा सकता है। चलित पशु चिकित्सा इकाई के डाक्टर प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक अपनी सेवाएं देते है।

वन विभाग के पिंजरे के आस पास घुम रहा मगरमच्छ, लेकिन नहीं आ रहा पिंजरे में

माही की गूंज, मंदसौर। भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के पास शिवना नदी किनारे पिछले एक सप्ताह से मगरमच्छ दिखाई दे रहा है। जिसके कारण स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। पूर्व में ही इसकी सूचना पर वन विभाग ने 23 जून को नदी के बीच एक पिंजरा लगाया था, लेकिन पिछले 5 दिनों से मगरमच्छ पिंजरे के आसपास घूम रहा है, लेकिन पिंजरे में नहीं आ रहा है। मंगलवार को भी मगरमच्छ पिंजरे के पास शिकार की तलाश में घंटों तक बैठा रहा, लेकिन पिंजरे में कैद नहीं हुआ। आसपास के रहवासियों के अनुसार भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के पास शिवना नदी पर बनी छोटे पुल के पास नदी में मगरमच्छ दिखाई दे रहा है। रिहायशी इलाका और मंदिर में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए जिला प्रशासन ने मौके पर एक सूचना बोर्ड भी लगाया है। वन विभाग के अनुसार मगरमच्छ के पिंजरे में आने के बाद इसे गांधी सागर चंबल नदी में छोड़ा जाएगा। मामले में वनमंडलाधिकारी संजय राईखेरे ने बताया कि, पुल से काफी लोग निकलते है। शोरगुल होने की वजह से मगरमच्छ पिंजरे में नहीं जा रहा है, लेकिन हमें उम्मीद है जब भूखा होगा तो पिंजरे में रखा शिकार खाने जरुर आएगा।

जिला न्यायालय परिसर में हुआ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

माही की गूंज, शाजापुर।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष ललित किशोर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शाजापुर के तत्वाधान में जिला न्यायालय परिसर शाजापुर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर (ब्लड डोनेशन केम्प) का आयोजन किया गया। जिसकी शुरूआत सर्वप्रथम माँ सरस्वती जी प्रतिमा पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा सभी न्यायाधीश, अधिवक्तागण की उपस्थिति में माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम जिला न्यायाधीश प्रवीण शिवहरे, अनिल कुमार नामदेव ने रक्तदान किया। इस अवसर पर जिला प्राधिकरण के सचिव एवं जिला न्यायाधीश राजेन्द्र देवड़ा के द्वारा सभी को प्रोत्साहित करते हुए कहा की रक्त की हर बूंद संजीवनी है। इस स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में कोई भी रक्तदाता शमिल होकर जरूरतमंदों की मदद के लिए खून दे सकता है। यह बात प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष ललित किशोर ने अपील करते हुए कही की आपके द्वारा किया गया रक्तदान किसी को भी जीवन दे सकता है। परोपकार करना हो तो करो रक्तदान, इससे लोगों का जीवन बचाने का सौभाग्य मिलता है।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारी, कार्यालय के कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता, लीगल एड डिफेंस के समस्त डिफेंस अधिवक्ता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारियों, पैरा लीगल वालेंटियर्स सहित कुल 35 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया, सचिव एवं जिला न्यायाधीश राजेन्द्र देवड़ा एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी फारूक अहमद सिद्दीकी ने स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में रक्तदान करने वाले सभी रक्त वीरों के प्रति आभार व्यक्त किया। जिला न्यायालय परिसर, शाजपुर में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 35 रक्त वीरों ने स्वैच्छिक रक्तदान करते हुए बताया कि वे साल भर में दो बार रक्तदान करते है और कई वर्षों से रक्तदान करते आ रहे है।

रक्तदान शिविर में कुल 35 लोगों में रक्तदान किया ओर स्वास्थ्य विभाग ने करीब 35 युनिट ब्लड़ एकत्रित किया और उन रक्त दाताओं को प्रशंसा पत्र भी प्रदान किए गए।

राष्ट्रीय सम्मेलन में जिले के कृषि वैज्ञानिक बेस्ट केवीके साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित

माही की गूंज, बड़वानी।

कृषि विज्ञान केन्द्र बड़वानी के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.के. बड़ोदिया ने इंडियन सोसायटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, नई दिल्ली द्वारा कृषि विश्वविद्यालय बेंगलुरू में 22 से 24 जून को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार भागीदारी की । इस राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ सुश्री शोभा करन्डलजे, कृषि राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया। इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों एवं विष्वविद्यालयों से लगभग 650 से अधिक वैज्ञानिकों ने सम्मिलित हो कर उन्नतषील कृषि हेतु शोधपत्र प्रस्तुत कियें। केन्द्र के डॉ. एस.के. बड़ोदिया, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा जिले में कल्स्टर आधारित चना फसल की उन्नतषील खेती पर किये गये कार्यो पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। जिसमें डॉ. बड़ोदिया द्वारा रचित शोध पत्र ''जिले में क्लस्टर आधारित चना फसल की उत्पादकता एवं लाभ में वृद्धि का आंकलन'' की प्रभावी प्रस्तुती दी गयी। जिससे निर्णायक मंडल द्वारा आदिवासीयों के उत्थान हेतु आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में अधिक से अधिक विस्तार पर सराहना की। इसके साथ ही साथ डॉ. बड़ोदिया को फसल विवीधकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ठ योगदान व किसान समुदाय के विकास के लिए किए गए कृषि हस्तांतरण जैसे जल प्रबंधन तकनीक में सुक्ष्म सिचाई के क्षेत्र को बढ़ाने हेतु किये गये विषेष प्रयासों, जैविक खेती, फसल विविधता, एकीकृत कृषि प्रणाली के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के साथ आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में परपरांगत फसलों की देषी किस्मों के संरक्षण के साथ जिले के कृषकों के मध्य उन्नत कृषि तकनीकी के हस्तांतरण करने व क्लस्टर तैयार कर चना फसल में उन्नत तकनीकी व किस्मों का प्रचार-प्रसार करने के लिये राष्ट्रीय सेमिनार में कर्नाटक सरकार के कृषि मंत्री एन चालूवारया स्वामी व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उपमहानिदेषक (कृषि प्रसार) डॉ. यू.एस. गौतम एवं डॉ. अषोक दलवाई, सी.ई.ओ. नेषनल रेनफेड एरिया ने '' बेस्ट केवीके साइंटिस्ट अवार्ड-2023'' से सम्मानित किया गया । डॉ. बड़ोदिया, प्रधान वैज्ञानिक की इस उपलब्धि पर केंद्र के डॉ. डीके जैन, यूएस अवास्या, रविन्द्र सिकरवार एवं रंजीत बारा ने हर्ष जताया।

शराब पीना छोड़कर इज्जत भी कमाई और रुपए भी बचाएं

माही की गूंज, खरगोन।

ठिबगांव बुजुर्ग के कैलाश सोलंकी आज से 10 वर्ष पहले सुबह 4 बजे से रात 12 बजे तक शराब का सेवन करते थे। शराब की लत इतनी बढ़ गई कि नहीं पीओ तो हांथ पांव कांपने लगते थे। तो उन्होंने शराब को ही दवाई मानकर पीते रहें। लेकिन जब बच्चें बड़े होने लगे तो उन्हें उनकी चिंता होने लगी क्योंकि लोग उन्हें शराबी न जाने किस किस नाम से पुकारते थे। बच्चों की परवरिश की चिंता के कारण उन्होंने शराब छोड़ दी। आज वे गांव में ही नर्सरी में पौध रक्षक का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि वे 15 से 16 वर्ष में करीब 5 से 7 लाख की शराब भी चुके हैं। लेकिन अब उनकी कमाई अपने परिवार के काम में आ रही है। वे बताते हैं कि अगर वे आज भी शराब पीते तो लगभग अब तक 7 लाख रुपये की शराब पी जाते। शराब छोड़ने के बाद गांव में उनकी इज्जत बढ़ गई है। पहले जो कभी देखकर भागते थे, वे आज पास बैठकर गप्पे भी लगाते हैं। साथ ही शराब पर खर्च होने वाले रुपये भी बचाये हैं। शराब के बगैर जीने में ज्यादा आनंद है।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर अपना वीडियो जारी कर अन्य लोगों से शराब/नशा छोड़ने की अपील की है। उन्होंने ऐसे नागरिकों से आव्हान किया है जो शराब नहीं छोड़ पा रहें हैं। जो शराब की लत के कारण बदनाम होते हैं। कैलाश का कहना है शराब छोड़ना बिल्कुल मुश्किल नहीं है। सिर्फ अपने विचार में अपने स्वास्थ्य और अपने जीवन के आगामी दिनों को निहारने का प्रयास करें। आपकी एक कोशिश जीवन को नया रंग दे सकती है।

अमान पठान उपब्लॉक कांग्रेस कमेटी आम्बुआ के अध्यक्ष नियुक्त

माही की गूंज, आम्बुआ। सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ता पूर्व विधायक प्रतिनिधि अमानुल्लाह पठान को आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जिला अलीराजपुर के विधानसभा क्षेत्र जोबट के उप ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आम्बुआ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठों का आभार तथा पठान को बधाई दी। मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देश पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन प्रभारी उपाध्यक्ष राजीव सिंह द्वारा अपने पत्र क्रमांक 2139/23 दिनांक 23/06/23 के अनुसार जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष महेश पटेल, अलीराजपुर विधायक मुकेश पटेल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओम राठौर की अनुशंसा पर विधानसभा क्षेत्र जोबट के कस्बा आम्बुआ के वरिष्ठ कांग्रेसी पूर्व विधायक प्रतिनिधि अमानुल्लाह पठान को आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आम्बुआ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अमानुल्लाह पठान की नियुक्ति पर जोबट विधानसभा क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों दीपक भूरिया, सुरपाल अजनार, डॉ. राजेंद्र सिंह राठौर, सानी मकरानी, मुस्तू बोहरा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष हासिम अली, युवा नेता महेंद्र सिंह रावत, नारायण सिंह चौहान, कन्हैयालाल गोयल, अमरसिंह डुडवे,सिराज खान, सारिक खान आदि ने वरिष्ठ पार्टी नेताओं का आभार मानते हुए पठान को बधाई दी।

साइकिल से महेश्वर पहुंचे प्रसिद्ध पर्यटन एक्सपर्ट रूपेश राय

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा जनजातीय पर्यटन परियोजना के तहत कसरावद के ग्राम बोथु, नावडाटौडी एवम ग्राम पंचायत लाडवी के ग्राम केरियाखेडी का चयन ग्रामीण पर्यटन परियोजना के लिए किया गया है। इस परियोजना के तहत ग्रामीणों को परियोजना के बारे में समझाते हुए पर्यटकों के अनुकूल आवास निर्माण हेतु प्रोत्साहित किया। जिसमें प्रोत्सोहन राशि 2 लाख रूपये तक मिल सकती है। इस परियोजना के लिए राज्यस्तर से बकरी छाप संस्था का चयन किया गया है।

26, 27 जून को परियोजना के शुभारम्भ के लिए संस्था प्रमुख रूपेश राय एवं वरिष्ट कार्यकारी दीपक दुबे द्वारा ग्राम सभा कर परियोजना की जानकारी सभी ग्रामीणों को दी। उन्होंने बताया कि, इन सभी गांवों में होम स्टे बनाए जायेंगे और इन होम स्टे में देश और विदेश से पर्यटक आकर रुकेंगे और ग्रामीण जीवन का अनुभव करेंगे। योजना को प्रचार के लिए इन तीन ग्रामों में चेंज बिफोर क्लाईमेट चेंज स्लोगन के साथ जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए एवं सामाजिक जागरूकता के लिए जीरो बजट, जीरो कार्बन फुटप्रिंट साइकिल यात्रा करते हुए श्री रूपेश राय महेश्वर पहुंचे है। 12 महीने तक चलने वाली इस यात्रा में श्री राय 6 राज्यों की 120 ग्राम पंचायतों 12,000 किलोमीटर की यात्रा करेंगे।

यह यात्रा 18 फरवरी 2023 को नोएडा से शुरू हुई आगरा, मथुरा, अलीगढ़, धौलपुर मुरैना, ग्वालियर, दतिया, झाँसी, ओरछा, मऊरानीपूर, अलीपुरा, छत्तरपुर, मडला, पन्ना, सतना, रीवा, कटनी, जबलपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, भोपाल, विदिशा, कुरवाई, चंदेरी, ईसागढ़, गुना, ब्यावरा, शाजापुर, इंदौर, महू होते हुए खरगोन जिले के महेश्वर में 26 जून को पहुंची।

तालाब निर्माण हो जाने के बाद भी आज तक किसानों को नहीं मिला जमीन का मुआवजा

घटिया तालाब निर्माण और भ्रष्टाचार पर भी उठाए जा रहे सवाल

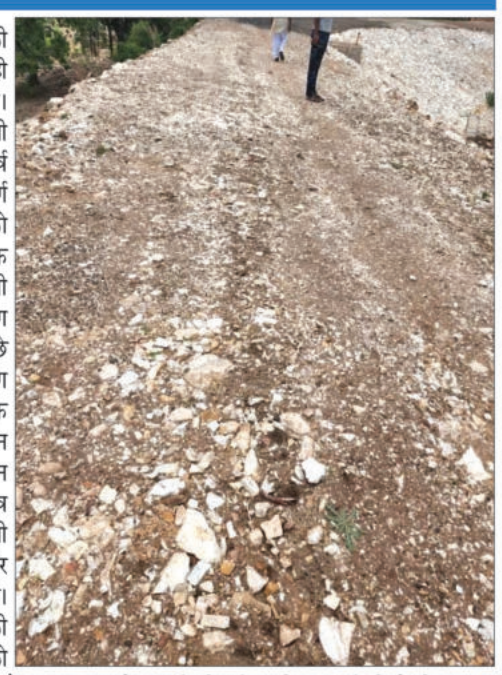

माही की गूंज, उदयगढ़। खलील मंसूरी

उदयगढ़ विकास खण्ड के अन्तर्गत ग्राम पंचायत हरदासपुर में ग्राम अगोनी की सीमा पर अमृत सरोवर हरदासपुर तालाब का निर्माण कार्य जल संसाधन विभाग अलीराजपुर की देखरेख मे चन्द्र शेखर आजाद नगर के एक ठेकेदार द्वारा किया गया। जिसकी लागत एक करोड 31 लाख रुपए बताई जा रही है। उक्त तालाब का निर्माण कार्य ठेकेदार ने गत वर्ष 25 मार्च 2022 को प्रारंभ किया था। वर्तमान मे जल संसाधन विभाग के उपयंत्री रमेश तवर के अनुसार तालाब का निर्माण कार्य पुर्ण होना बताया गया। जबकि इस तालाब निर्माण मे ग्राम हरदासपुर के आदिवासी कृषक राकेश पिता नानकु माता राजनी बेवा नानकु भुस्वामी, नसरिया,जामसिह पिता थावरिया, नाहरु पिता रालिया, भीमसिह पिता चैनसिह, भिसन पिता भुरला, रतनसिह पिता मोटला, संतु पिता रामसिंह पिता भुरला माता संन्तु नवलसिह पिता गुलाबसिह, मेथु पिता पारसिह मोटला, नानचु पिता गमीर बुरी बेवा गमीर आदि तथा ग्राम अगोनी के कृषक किशन पिता नाथु, शुभम ईडा पिता भीलु, दितिया ईडलिया, अमरसिह, मगतिया पिता नाहरसिह, झेतरिया, मेथलिया पिता मोहनसिह, हिरु, भुरसिह, नानका पिता जोतसिह, शंकर, नानबु पिता रामला, बाली बेवा रामला, नानु पिता धुमजी, माता कनी बेवा धुमजी, सुरसिह, थानसिह पिता मोतेसिह, जुवानसिह पिता अबजी, भुतसिह, जुतसिह, भुरला पिता मोटला सहित दो ग्राम के के आदिवासी खातेदारो की कृषि जमीन उक्त तालाब में डुब गई, जिसका शासन द्वारा मुआवजा राशि देना सुनिश्चित किया गया था।

इस संबध मे पता चला है कि, अभी तक मात्र दो कृषक रतन पिता मोटला ग्राम हरदासपुर, किशन पिता नाथु ग्राम अगोनी को ही 6-6 लाख रुपए मुआवजा राशि का ही भुगतान होना बताया गया। जबकि शेष 14 कृषक खातेदारो को मुआवजा राशि का भुगतान आज तक नही मील पाया है। जो प्रशासनिक अधिकारियों की नीयत पर सवालिया निशान खड़ा कर रहा है। कृषक अपनी मुआवजा राशि भुगतान नही होने को लेकर काफी परेशान है।

इस संबध मे जब पटवारी हल्का नम्बर 03 महेश जमरा से चर्चा की गई तो उन्होने बताया कि, अभी दो-तीन कृषको की ही रजिस्ट्री हुई है। शेष कृषको की रजिस्ट्री होना बाकी है। जैसे ही डुब क्षैत्र जमीन की शासन पक्ष मे रजिस्ट्रेशन हो जाएगा वैसे ही मुआवजा राशि का भुगतान होना प्रारम्भ हो जाएगा।

जबकि नियम अनुसार किसानो को अपनी जमीन का मुआवजा राशि तालाब निर्माण के पुर्व दिया जाना था। किन्तु तालाब निर्माण का कार्य पुर्ण हो जाने के बाद भी अभी तक कृषको को मुआवजा राशि का भुगतान नही हुआ है। कृषक मुआवजा राशि को लेकर इधर-उधर कभी तहसील कार्यालय तो कभी जल संसाधन विभाग अलिराजपुर तो कभी ठेकेदार व पटवारी के पिछे भटक रहे है। जबकि अभी तक राजस्व विभाग द्वारा रजिस्ट्रेशन को लेकर शासकीय औपचारिक पुर्ण नही हो पाई है। जिस कारण कृषक की जमीन का रजिस्ट्रेशन नही होने से मुआवजा राशि भुगतान नही हो पा रहा है। वहीं जलसंसाधन विभाग व ठेकेदार तालाब निर्माण कार्य पुर्ण कर अपनी जवाबदारी से संतुष्ट हो बेखबर हो गए है। और कृषक राशि को लेकर ईधर उधर भटक रहा है। उनकी कोई सुधार नही ले रहा है। ये हि नही क्षैत्र की जनता व जन प्रतिनिधियो में तालाब निर्माण को लेकर भी ठेकेदार के खिलाफ कई सवाल उठ रहे है।

निर्माण कार्य में लापरवाही

बताया जा रहा है कि, ठेकेदार ने तालाब निर्माण के समय की पाल की दबाई व परत दर परत पानी का छिटकाव कर दबाई कार्य नही किया। मशीनो से ताला के पास से ही खुदाई कर तालाब बना दिया, जिस कारण अभी से तालाब की पाल के बीच मिट्टी धस जाने से लम्बी दरार पड गई। जो तालाब पर सहज ही देखी जा सकती है। साथ ही ठेकेदार ने तालाब की पिचिग कार्य मे भी लापरवाही बरतते हुए पक्के बोल्डर का उपयोग नही करते हुए पुरे तालाब पर सफेद कच्चे बोल्डर से पिचिग कार्य किया। ठेकेदार ने मिट्टी मोरी का भी उपयोग कम कर पास मे खुदाई की गई कंक्रीट नुमा मिट्टी से ही तालाब बना दिया जो एक जांच का विषय है।

इस संबध मे जब जल संसाधन विभाग अलीराजपुर के उपयंत्री रमेश तवर से चर्चा की गई तो उन्होने बताया कि, तालाब की पिचिग मे लगा सफेद बोल्डर पक्का होने से पिचिग मे उपयोग लिया गया। और तालाब मे पाल के बीच मे दरार आने के सबंध मे बताया कि, तालाब निर्माण के प्रथम वर्ष मिट्टी सेट होती है तो दरार आ जाती है जिसे मिट्टी डालकर पुनः दबाई कर दुरस्त कर दि गई।

अब मामला जो भी हो, कृषको की मांग है कि, जिला कलेक्टर इस सबंध मे जांच कर तालाब की गुणवत्ता व कृषको को तत्काल मुआवजा राशि का भुगतान करवाकर न्याय प्रदान करे।

कुप का निर्माण पुर्ण हुए बित गए तीन वर्ष अब तक शेष राशि का नहीं हुआ भुगतान

माही की गूंज, उदयगढ़।

उदयगढ़ जनपद के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कोटडा के ग्राम छोटी कदवाल मे शासन की कपिलधारा कुप निर्माण योजना अन्तर्गत मुकामसिह पिता केजिया के नाम पंचायत की अनुसंशा पर जनपद उदयगढ से कुप निर्माण के लिए वर्ष 2020-21 मे 2 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। उक्त स्वीकृत राशि मे एक लाख रुपया हितग्राही के खाते मे तथा एक लाख रुपया कुप निर्माण मे मजदुरी करने वाले मजदूर के खातो मे सीधे भुगतान करने के नियम थे। किन्तु हितग्राही मुकामसिह ने कुप स्वीकृत के बाद ही अपनी खेती किसानी करने के उद्देश्य से कपिल धारा कुप का निर्माण कर दिया। कुप निर्माण पुर्ण हो चुका का फोटो आदि सभी प्रस्तुत कर ग्राम पंचायत सहित जनपद स्तर की सभी शासकीय स्तर की औपचारिकता भी पुर्ण की गई।ताकि स्वीकृत राशि का भुगतान समय पर हो सके और हितग्राही बाजार से खरीदी गई सामग्री का भुगतान सहित मजदुरी का भुगतान भी मजदूरो को समय पर मील सके। किन्तु अब तीन वर्ष बीत चुके है, वहीं हितग्राही मुकामसिह के खाते मे मात्र 72 हजार रुपए की राशि का ही जमा की गई। शेष राशि का भुगतान आज तक नही किया जा रहा है। जिससे मुकामसिह बाजार से कुप निर्माण के लिए उधार सामग्री के भुगतान सहित मजदुरो का मजदुरी की राशि भी अदा नही कर पा रहा है। जिसको लेकर हितग्राही काफी परेशान है। जबकि शेष राशि भुगतान को लेकर वह कई बार ग्राम पंचायत व जनपद उदयगढ के चक्कर लगा लगाकर परेशान हो गया है, पर भुगतान नही दिया जा रहा है। जिस पर हितग्राही ने काफी परेशान होकर आखिर 13 जून 2023 मंगलवार को जिला कलेक्टर अलिराजपुर पहुचकर जनसुनवाई मे आवेदन प्रेषित कर न्याय की गुहार लगाकर शेष राशि की भुगतान की माग की।

इस प्रकार के उदयगढ जनपद के अन्तर्गत कई हितग्राही अपने शेष भुगतान को लेकर काफी परेशान है। जिला कलेक्टर राघवेन्द्र सिह को चाहिए कि, इस सबंध मे निष्पक्ष जांच करवा कर वर्षो से जमे मनरेगा कर्मचारी अधिकारी पर कार्यवाही कर पिडित हितग्राहीयो को समय पर योजना का लाभ दिलाए।

मौसम की प्रथम बारिश से क्षेत्र तरबतर

माही की गूंज, आम्बुआ। आम्बुआ तथा आसपास का क्षेत्र जो कि विगत दिनों से मौसम में हो रहे बदलाव का असर पड़ रहा था। अचानक पुनः मौसम बिगड़ा तथा आसमान पर बादल छाने के साथ ही मौसम की पहली बारिश ने क्षेत्र को तरबतर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार भीषण गर्मी में जूझ रहे क्षेत्र पर विगत दिनों आए तूफान के कारण ठंडी हवाओं से कुछ थोड़ी बहुत ठंडक मिली। इसी बीच 23-24 जून की रात लगभग 1 बजे से बारिश प्रारंभ हुई जो कि सुबह 9 बजे तक रिमझिम बरसात का क्रम जारी रहा। इस वर्षा से खेतों में नमी आ जाने के कारण कृषक जिन्होंने खेत तैयार कर रखे थे उनमें कई कृषक बुवाई कार्य भी करने में जुट गए हैं। आगामी समय में अच्छी वर्षा की संभावना व्यक्त की जा रही है जिसकी आस कृषक लगाए बैठे हैं।

काश धार पुलिस की तरह जिले की पुलिस कर पाती कार्यवाही

माही की गूंज, आम्बुआ।

इन दिनों दोपहिया वाहनों की सड़क पर भरमार है। हजारों की संख्या में बाईके सड़क पर अनियंत्रित गति से दौड़ती नजर आती है। इनके दौड़ने में सबसे अधिक परेशानी तब होती है जब इन मोटरसाइकिल के साइलेंसर निकाल कर तेज आवाज के साथ चलाते हैं। ऐसे ही बाइकर्स पर नकेल कसने का कार्य धार पुलिस ने किया जिसकी सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। काश हमारी अलीराजपुर जिले की पुलिस भी ऐसा कर पाती...?

जिले के अलावा कस्बाई क्षेत्रों आम्बुआ में भी दिन-प्रतिदिन मोटरसाइकिलों में बढ़ोतरी होती जा रही है। स्कूली विद्यार्थियों के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों के नवयुवक दिनभर बाइक दौड़ाते दिख जाएंगे। आंधी तूफान की गति से दौड़ती मोटर साइकिल से तब नागरिक परेशान हो जाते हैं जब इनके साइलेंसर निकाल कर चलाया जाता है। जिससे तेज आवाज निकलती है इन्हें हाट बाजार के दिन भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में दौड़ाया जाकर लोगों को परेशान किया जाता है। आम्बुआ के नागरिकों ने दो माह पूर्व इस आशय का ज्ञापन थाना आम्बुआ में देकर कार्यवाही की मांग की थी। मगर कोई ध्यान नहीं दिया गया। सुरक्षा समिति की बैठक में यह मुद्दा उठाया तथा पुलिस प्रशासन ने अति शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन अनेकों बार दिया मगर आज तक कोई कार्यवाही नहीं होने से बाइकर्सो के हौसले बुलंद है। अभी हाल ही में धार जिले में पुलिस विभाग ने कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल के साइलेंसर निकालकर रोड रोलर से कुचल दिए जिसकी सर्वत्र प्रशंसा हो रही है तथा भविष्य में ऐसे बाईक दौड़ाने वालों को नसीहत भी लगेगी। क्या अलीराजपुर जिले के पुलिस कप्तान जो कि यातायात विभाग सम्हाल चुके हैं जिले के थानों को कार्यवाही हेतु निर्देशित करेंगे...?

जिले का पहला दल अमरनाथ यात्रा के लिए हुआ रवाना

माही की गूंज, अलीराजपुर।

अमरनाथ यात्रा के 21वें वर्ष में मंगलवार को यात्रा के लिए 7 लोगो का दल आलीराजपुर शिव मंदिर दाहोद नाका से रवाना हूआ। अमरनाथ यात्रा का पहला जथा जिसमे यात्री दीपक दीक्षित, महेश चौहान, गौतम चौहान, राजू चौहान , विकास डावर, कलम कनेश, नितेश कलेश को रवाना करने के लिये अमरनाथ यात्रा संघ के संयोजक बालकृष्ण गुप्ता, केलाश कमेडिया, आजाद डुडवे, सहयोग सस्था के आशू दूबे विक्रांत राठौड़, अविनाश वाघेला, सुनील कपड़िया, नपा कर्मचारी सुनील मावी, विजय बघेल भगत, राजु, डॉ. विजय बघेल, हितेश परमार, वेस्ता, पियूष चौहान आदी ने स्वागत कर यात्रा के लिये रवाना किया।जो एक तारिख को अमरनाथ के दर्शन करेगे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी दीपक दीक्षित ने दी।

सिकलसेल से पीड़ित गर्भवती महिला के लिए अभाविप संयोजक ने किया रक्तदान

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिला अस्पताल अलीराजपुर में सिकलसेल से पीड़ित गर्भवती महिला नाम मनीषा डावर ग्राम वड़ी की निवासी को बी. ब्लड की अत्यंत आवश्यकता पढ़ने पर परिजनों ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को जानकारी दी। जानकारी मिलते ही अभाविप के जिला संयोजक रोहित सस्तिया ने वालपुर से आकर जिला अस्पताल अलीराजपुर में पहली बार बी. ब्लड डोनेट किया। वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक रोहित सस्तिया ने बताया कि, रक्तदान पुण्य का कार्य है इस भाव के साथ ब्लड डोनेशन करना चाहिए। इस संदेश के साथ जिले के युवाओं से अपील की।

वही मौके पर उपस्थित अभाविप के विभाग संयोजक निलेश सस्तिया ने बताया कि, जब भी जरूरतमंद पेशेंट को ब्लड की आवश्यकता लगती है तब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता डोनेशन के लिए हमेशा आगे रहते हैं। अन्य हॉस्पिटल अलीराजपुर के सिवाय गुजरात, बोडेली, बड़ौदा, दाहोद ऐसे अनेकों स्थानो पर अभाविप के कार्यकर्ता जाकर रक्तदान करते है।

विभाग छात्रावास प्रमुख उकार चौहान ने बताया कि, जिले में रक्तदान के प्रति जागरूकता को लेकर कैंप के माध्यम से एवं समाज के बीच में जाकर अभाविप कार्यकर्ताओं ने जन जागरण चलाया है। अभी तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जिले में 500 से अधिक युवाओं को ब्लड डोनेशन करवा चुकी है। इस अवसर पर अभाविप के कार्यकर्ता देवेंद्र डावर, रमेश अवासिया, मानसिह डावर, सुरपाल चौगड़, साधु सस्तिया, जतिन भिंडे, सहित आदि कार्यकर्ता एवं छात्र मौजूद थे।

हनुमान की भक्ति में लीन नजर आए अजनार

ग्रामीणजनों के साथ पढ़ी हनुमान चालीसा, मंदिर जीर्णोद्धार की घोषणा की

माही की गूंज, जोबट।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देश पर व जिलाध्यक्ष ओम राठौड़ के मार्गदर्शन में जिला महासचिव सुरपाल अजनार ने गांव-गांव जाकर हनुमान चालीसा का पाठ करने का लक्ष्य रखा है।जिससे वह जनता के बीच कमलनाथ का संदेश ले जाने का काम कर रहे हैं। वहीं बुधवार को ग्राम देहदला में अति प्राचीन हनुमान मंदिर पर पहुंच भगवान पवन पुत्र को चोला चढ़ाकर उनकी प्रतिमा का अभिषेक किया। उन्हें ग्रामीणों से जानकारी मिली थी कि, यहां लंबे समय से मंदिर के स्थान नवीनीकरण करने की मांग उठ रही थी, जिसके बाद अजनार ने मंदिर के जीर्णोद्धार की घोषणा की। इसी के साथ देहदला गांव के ग्रामीणों ने उन्हें हनुमान भक्त बताया है।

जिला महासचिव सुरपाल अजनार ने बताया है कि, किसी भी कार्य में जनसेवा करना उनका पहला लक्ष्य रहता है। समय-समय पर वह नगर जोबट से लेकर विधानसभा क्षेत्र के हर गांव-गांव फलियो में होने वाले धार्मिक आयोजनों में सबसे प्रथम आकर अपनी भागीदारी निभाते हैं। इसी के साथ उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देशानुसार गांव गांव भगवान हनुमान की भक्ति करने का लक्ष्य रखा है। इसी के साथ भक्ति के माध्यम से वह कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का काम कर रहे है ओर कांग्रेस से कार्यकर्ताओं को जोड़ने का काम भी कर रहे है।

नकली नोट चलाने वाली गैंग सक्रिय, भोले-भाले लोगों को बना रहे शिकार

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिला मुख्यालय पर रहने वाले सभ्य कहे जाने वाला नगरवासी गैर आदिवासियों द्वारा आदिवासी समाज के वाटे मे सब्जी, आम जैसी खाद्य वस्तुओ को बेचने वाले लोगो को ठगी का शिकार बना रहे है। ये पहली घटना नहीं है जिले मे जब कोई नकली नोट पकड़ा गया है।

गौरतलब है, अलीराजपुर आदिवासी बाहुल्य जिला है यहां शाक्षरता प्रतिशत सर्वाधिक कम है। गांव से आने वाले ज्यादातर आदिवासी महिला, बच्चे, बड़े, बुजुर्ग अनपढ़ भी होते है जो अपने खेतो की सब्जी या आम, जाम और अन्य खाद्य वस्तुओ को वाटे से बेचते है। बड़ी मुश्किल से दिन मे 100-500 रूपए कमाने वाले इन लोगो के साथ नगर पालिका बैठने पर रसीद के नाम पर वसूली करती है, वही आजकल नकली नोटों से ठगी की जा रही है।

ताज़ा घटनाक्रम नीम चौक मे बैठी सब्जी और आम के वाटे लेकर एक बुजुर्ग महिला सेकड़ी पति वेस्तीया निवासी चौगनवाट के साथ हुआ। महिला ने जब दूसरी बार उसी आदमी को नकली नोट लेकर रंगे हाथों पकड़ा तो दो-चार चाटे मारकर धुलाई कर दी और आसपास से लोग जमा होने लगे तो एक 50-55 वर्ष का बोहरा समाज का व्यक्ति वहां से भाग निकला। जिसकी पहचान सीसीटीवी फुटेज से की जा रही है। जिसमे सफ़ेद स्कूटी से बोहरा आता है और महिला उसे पकड़कर रखती है फिर झापटे भी मारती है। फिर वी व्यक्ति भाग जाता है मौक़े पर पुलिस आई लेकिन जाँच नजर नहीं आई।

सामाजिक संगठन के सक्रिय लोगो ने महिला से चर्चा कर थाने आवेदन करने की बात कही है। इस तरह आदिवासी समाज से सरेआम ठगी और भारतीय मुद्रा अधिनियम का उल्लंघन करना दंडनीय अपराध है अब पुलिस प्रशासन इसे किस तरह लेता है देखना होगा।

अलीराजपुर जिले में बड़ी दुर्भाग्य की बात है कि एक आदिवासी महिला आम बैचने आती हैं और कई फ्रॉड व्यक्ति अनपढ़ और नासमझ होने का फ़ायदा उठाकर 2 किलोग्राम आम लेकर नक़ली नोट पकड़ा कर भाग जाता हैं। स्थानीय साहुकार के सीसीटीवी कैमरा में कैद हुईं घटना की वीडियो फोटेज निकाल कर पुलिस अधिकारी को सुचना देकर जल्द से जल्द कार्यवाही की मांग की गई है। जिससे आगामी घटना ना हो पाए।

माही की गूंज की आप सभी से अपील है कि, समाज में हो रहें अत्याचार पर रोक के लिए हमेशा सचेत रहें, सतर्क रहें, सावधान रहें।

गूंज की खबर पर लगी मोहर

बिना लेन-देन और कमीशन के जनपद में नहीं होता भुगतान, जो देगा पहले रिश्वत उसका भुगतान पहले

पुराने कार्यो को छोड़कर वर्ष 2023-24 के कार्यो के भुगतान कर फंसे सीईओ सहित जिम्मेदार कर्मचारी

म.प्र राज्य रोजगार गारंटी परिषद भोपाल द्वारा कलेक्टर को नोटिस जारी, जिले की कई जनपद जांच के घेरे में

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। जिले में शासकीय कार्यो को लेकर भुगतान के मामले में माही की गूंज ने पोर्टल पर प्रमुखता से खबर प्रकाशित कर खुलासा किया था कि, जनपद में सार्वजनिक कार्यो के साथ-साथ हितग्राही मुल्क कार्यो के भुगतान के लिए खुले आम पैसे की मांग की जा रही और हर कार्य की रिश्वत की राशि फिक्स है, जिसके भुगतान के बाद नियम विरुद्ध भी भुगतान कर दिया जाएगा।

गूंज की इस खबर पर अब बड़ी मुहर लगी है और भोपाल से कलेक्टर ओर जिला समन्वयक को नोटिस जारी किया गया हैं। जिसमे पेटलावद सहित झाबुआ, मेघनगर, थांदला जनपद में हुए भुगतान को लेकर प्रश्न उठाये गए है, मिली जानकारी के अनुसार जिले की लगभग सभी जनपदों में पुराने कार्यो के भुगतान बाकी है, जिनके मेटीरियल भुगतान के लिए बिल भी अपलोड हो चुके। लेकिन जनपद में बैठे सीईओ और भुगतान से जुड़े कर्मचारियों ने इनका भुगतान नही करते हुए भारी कमीशन के बंदरबांट कर इस सत्र मतलब वर्ष 2023-24 के कार्यों का भुगतान नियम विरुद्ध जाकर कर दिया। मामला सामने आने के बाद साफ हो गया है कि, जनपद पेटलावद में कुछ भी ठीक नही चल रहा है और यहां बिना लेन-देन के कोई भुगतान नही होता। जिसका खुलासा गूंज समय-समय पर करता आया है। स्थानीय अधिकारियों ने जब इसकी सूद नही ली तो मामला भोपाल पहुचा जहा से अब सीधे कलेक्टर को नोटिस जारी कर सम्बंधित जनपदों से भुगतान के लिए जानकारी लेने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

कलेक्टर को मिला नोटिस तो संबंधितों को कारण बताओ नोटिस किया जारी

मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद भोपाल की ओर से जारी नोटिस में वित्तीय वर्ष 2023-24 में सामग्री मद के भुगतान के संबंध में लेखाधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सहायक लेखाधिकारी जनपद पंचायत, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को कारण बताओ सूचना पत्र कलेक्टर की और से जारी करने के निर्देश दिए गए। महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत सामग्री मद की वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2022-23 की राशि के भुगतान हेतु निर्देशित किया गया था। जिसमें कि प्रत्येक जनपद, क्रियान्वयन एजेंसी स्तर पर सामग्री देयक के दिनांक अनुसार देयकों की प्राथमिकता अनुसार पूर्व के देयक सबसे पहले एवं उसके बाद के देयक बाद में भुगतान किये जाने थे तथा सामग्री मद अंतर्गत किये जाने वाले अन्य भुगतान जैसे मेट , कुशल, अर्द्धकुशल मजदूरों के विगत वर्षों के लंबित भुगतान को प्राथमिकता के साथ किया जाना था। लेकिन जिले की जनपद पेटलावद, मेघनगर, झाबुआ और थांदला के कार्यपालन यंत्री आरईएस द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 के सामग्री मद का भुगतान किया गया है। जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 तक के ही भुगतान अनुमत्य किये गये थे। वित्तीय वर्ष 2023-24 के सामग्री मद के भुगतान क्यों किये गये संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी से प्रतिवेदन प्राप्त कर कारण सहित 3 दिवस में पूर्ण वस्तुस्थिति से अवगत करावें। जबाब प्राप्त न होने अथवा संतोषजनक न होने की स्थिति में संबंधित भुगतानकर्ता अधिकारी एवं कर्मचारी की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी का नोटीस जारी किया।

नोटिस से हड़कम्प, सब सेटिंग में लगे, मामला तो होगा रफा-दफा ही

नोटिस के बाद जनपद के अधिकारियों सहित भुगतान सम्बंधि कर्मचारियों में हड़कम्प मच गया है, जिसकी जानकारी इन तक पहुच गई है। हालांकि अभी इस बात की पुष्टि नही हुई है कि, जिला कलेक्टर ने इस संबंध में किन-किन अपने अधिनस्थ अधिकारीयो को नोटिस जारी किए। लेकिन कलेक्टर को जो लेटर जारी हुआ वो 22 जून को किया गया था। मध्यप्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार के गम्भीर आरोप लगे हुए है कई बड़े मामलों में फाइले ऐसे नोटिसों के बाद ठंडे बस्ते में चली गई है। इस मामले में भी कुछ ऐसा ही होता नजर आएगा। जबकि सरकारी निर्देशो की धज्जियां खुले आम उड़ाई गई। जनपद से होने वाले भुगतान का नियत अंतिम वर्ष 2022 था इसके बाद का भुगतान का कोई प्रावधान नही था। बावजूद इसके भुगतान किया जो प्रमाणित है। सवाल वही है क्या इस मामले में कोई कार्यवाही होगी या मामला दबा दिया जाएगा...?

भुगतान की आड में पहले होता है कमीशनखोरों को भुगतान

जनपद में कई वर्षों से सरकारी कामो के भुगतान में बड़े भ्रष्टाचार के खेल हो रहे है। मामले की जांच में ये भ्रष्टाचार बड़ी आसानी से सामने आना तय है। क्योंकि जिन फर्मों को भुगतान किये है उसमे से अधिकांश धरातल से गायब है और केवल कागजों पर संचालित हो रही है। यही नही ज्यादातर भुगतान कुछ विशेष फर्मों को ही किया गया है। ग्राम पंचायतों में सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक सहित जनपद के कम्प्यूटर ऑपरेटर से लेकर उपयंत्री ओर अधिकारी तक के पास अपनी-अपनी सेटिंग की फर्मों के बिल बुक है, जिनके बिलो के भुगतान सबसे पहले होते है। उसके बाद सही बिलो का नम्बर आता है या इन्ही बिलो के माध्यम से राशि आहरण कर बाकी का भुगतान खातों से निकालकर नगद कर दिया जाता है। देश के प्रधानमंत्री ईमानदार सरकार देने का दावा करते है लेकिन उनकी ही पार्टी की मध्यप्रदेश सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। जिले की जनपद पंचायत के माध्यम से बीते 10 वर्षों में हुए भुगतान और उन कार्यो की समीक्षा के साथ भुगतान प्राप्त करने वाली फर्मों की जांच कर ली जाए तो हर जिले में अरबो रुपये के घोटाले का बड़ा खुलासा हो ना तय है। बीते 8 वर्षों से माही की गूंज इस पर लगातार खबरे प्रकाशित करती रही है। जिंसमे जनपद, आरईएस और मनरेगा के माध्यम से हुए कई बिना कार्यो के फर्जी भुगतान किये है। अधूरे पड़े कार्यो, पुराने कार्यो को नया बताकर पूर्ण भुगतान कर दिया गया। लेकिन सरकार की ओर से अब तक देश को खोखला करने वाले इस भ्रष्टाचार को संज्ञान में नही लिया गया। जिससे साफ होता है कि, कमीशन का खेल ग्राम पंचायत से लेकर वल्लभ भवन भोपाल और मुख्यमंत्री आवास तक जुड़ा है।

विधायक मेड़ा ने बीजेपी के गढ़ में लगाई सेंध

90 से ज्यादा बीजेपी कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल

माही की गूंज, बनी। ऋषभ गुप्ता

पेटलावद तहसील के गांव बनी में पाटीदार समाज के 150 घर है, जिन्हें बीजेपी द्वारा अपना गढ़ माना जाता है। जिसमें 95 प्रतिशत लोग बीजेपी समर्थक है, मगर कांग्रेस की रीति-नीति और विधायक बालसिंग मेड़ा के कुशल व्यवहार से प्रभावित होकर गांव के पाटीदार समाज के 90से अधिक युवाओं ने बीजेपी छोड़ कांग्रेस का दामन थामा और विजय कांग्रेस, जय-जय कमलनाथ के नारों के साथ सदस्यता ग्रहण की। गांव के कमल, पवन, अमित चावड़ा, गट्टू चोबे ,भूली बाई ,वाली बाई ,पेपा बाई आदि ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

ब्लॉक कांग्रेस पेटलावद के बैनर तले गांव में स्थित श्री कृष्ण कामधेनु गौशाला पर कार्यक्रम रखा गया। जिसमें मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस अध्यक्ष राका, विधायक बालसिंह मेड़ा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हनुमंत सिंह डाबड़ी, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष चंद्रवीर लाला, पूर्व जनपद अध्यक्ष हीरालाल डाबी, रायपुरिया के पूर्व सरपंच सुखराम मेड़ा, रायपुरिया के पूर्व उपसरपंच मनोहर सिंह राठौर, गांव बनी के वरिष्ठ नेता संजय सुराणा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश मुथा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष शारदा डामोर, विधायक प्रतिनिधि मन्नालाल मन्नालाल हामड़ा, विधायक प्रतिनिधि जीवन ठाकुर, कयूम शेख, बाबू भाई, आईदान पटेल, सलीम शेख, अजय वोरा, विशाल राठौर, जावेद लोधी, रायपुरिया युवा कांग्रेस अध्यक्ष विनोद पाटीदार युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष केशव पाटीदार, जयंतीलाल पाटीदार, संजय पाटीदार, वरिष्ठ नेता गोविंद पाटीदार आदि की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें गांव की पाटीदार समाज के 90 से अधिक युवाओं ने बीजेपी को छोड़कर कांग्रेस का दामन थामा। सभी युवाओं को विधायक मेड़ा और जिला अध्यक्ष राका ने पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया और सभी युवाओं ने आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भारी मतों से विजय दिलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विधायक मेड़ा, जिला अध्यक्ष राका, और पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह राठौड़ ने अपने भाषण के दौरान बीजेपी सरकार की नाकामियों और भ्रष्टाचार की कहानियां बताइए और बीजेपी की कड़े शब्दों में निंदा की और कांग्रेस पार्टी की उपलब्धियां के बारे में बताया और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के द्वारा 5 वचन पत्र के बारे में भी बताया।

सभा में आसपास क्षेत्र के लोगों ने भारी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा कर कांग्रेस पार्टी का मनोबल बढ़ाया। इस पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में गांव के कृष्णा पाटीदार, दिनेश पाटीदार, राधेश्याम डूंगा, पुरुषोत्तम पाटीदार, गोविंद पाटीदार, राजू राठौड़, अमर सिंह मचार, अंबाराम पाटीदार, हीरालाल बाबर, अनिल भटेवरा, विमलेश वैरागी, शांतिलाल पाटीदार, गणेश पाटीदार, नरसिंह डामोर युवा नेता विनोद अंबाराम भाई, आदि का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन मुन्नालाल हामड़ ने किया और अंत में आभार वरिष्ठ कांग्रेसी नेता संजय सुराणा ने आभार माना।

नकली नोट बाजार में...

माही की गूंज, खवासा।

सरकार ने नकली नोट के खिलाफ लाख दावे करें लेकिन नकली नोट आज भी बाजार में धड़ल्ले से चल रहे हैं। खवासा जैसे छोटे गांव में भी 500 रूपये के नकली नोट चल रहे हैं। इस प्रतिनिधि के प्रतिष्ठान पर कोई व्यक्ति 500 रूपये का नोट दे गया। जब बैंक में जमा करने पर बैंक वाले ने नकली नोट दिखाया हुबहू असली दिखने वाले नोट का सरल क्रमांक सहित सभी जानकारी असली के समान ही दिखाई दे रही है। जिससे आम व्यक्ति तो क्या पढ़ा लिखा और समझदार व्यक्ति भी भ्रमित हो सकता है। आम नागरिकों का कहना है कि, सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए नकली नोट बाजार में चलना सरकार की बड़ी विफलता है यही नहीं सरकार को असली नोटों की पहचान के लिए व्यापक अभियान चलाना चाहिए। जिससे आम नागरिक जागरूक होकर खुद असली और नकली की पहचान कर सकें। उक्त नकली नोट हु-बहु असली की तरह ही है सिर्फ ध्यान से महसुस करने पर कागज में थोडा हल्का पन लगता है। वही आरबीआई की नोट में लगी रिबीन पट्टी जो असली नोट में नोट को तिरछा व उपर-नीचे देखने पर हरी व निला कलर में तबदील होता है लेकिन उक्त नोट की पट्टी में सिर्फ हरि पट्टी ही दिखाई पड रही है।

पंचायत का 1 वर्षीय कार्यकाल निराशाजनक

माही की गूंज, खवासा।

ग्राम पंचायत खवासा की नवीन पंचायत का कार्यकाल 1 वर्ष पूर्ण होने को आया है, लेकिन अभी तक के कार्यकाल में आम जनता को निराशा ही हाथ लगी है। गत वर्ष 25 जून को हुए चुनाव में महिला सीट पर गंगाबाई खराड़ी सरपंच पद के लिए निर्वाचित हुई थी यहां संघ से जुड़े भाजपा समर्थित शंकर सिंह खराड़ी ने महिला सीट होने से अपनी माताजी के नाम से चुनाव लड़ा नाम भले गंगाबाई का था लेकिन लोगों को वोट शंकर सिंह खराड़ी को देखकर ही दिए थे। लोगों को उम्मीद थी कि, शंकर सिंह खराड़ी गांव के लिए कुछ अच्छा कार्य करेंगे लेकिन 1 वर्ष बीत जाने के बाद भी स्थिति और ज्यादा बिगड़ गई है। इस 1 वर्ष में शंकर खराड़ी अपने कार्यों में एक भी उपलब्धि नहीं जोड़ पाए हैं जल संकट व्यवस्था बदतर हो चुकी है। मार्च माह से ही जल संकट गहरा गया था जो जून आते-आते विकराल हो गया। 20 से 25 दिन में एक बार जल वितरण हो रहा है लोग पानी खरीदकर पीने को मजबूर है, यही नहीं बीते 1 वर्ष के दौरान पंचायत को लेकर आम व्यक्ति को निराशा ही हाथ लगी है।

गुल्लु ने धोखा देकर किया दूसरा निकाह, अब दूसरी पत्नी लड़ रही जायज और नाजायज होने की लड़ाई

दूसरी पत्नी से भी है गुल्लु की एक और संतान, अपना व बच्चे का हक मांगने पहुंची न्यायालय की शरण में

माही की गूंज, झाबुआ।

कहते है जब खून में ही पाप मिल जाए तो फिर पुण्य की कोई उम्मीद नही की जा सकती। मगर एक बात यह भी कही जाती है कि, पाप का घड़ा कभी न कभी तो फूटता ही है और जब पाप का घड़ा फूटता है तो स्थिति कुछ ऐसी हो जाती है कि, ''न खुदा ही मिला न विसाले सनम'' मतलब धोबी का कुत्ता न घर का ना घाट का। माही की गूंज अपने पिछले अंकों से लगातार रेत माफिया, दलाल, डीजल माफिया, लंगोट के ढीले, धोखेबाज गुल्लु के काले कारनामें लगातार उजागर कर रहा है। अखबार के पन्नों पर खबरें छपने के बाद जो हलचल इस माफिया और दलाल में पैदा हुई है वह अब बाजार में चौराहों की चर्चा बन चुकी है। हालांकि चोर यह भी नहीं कहता की मैं चोर हूं। एक कहावत है कि, इंसान की किस्मत का फैसला उसके कर्म ही करते है। अगर वह अच्छे है तो ठीक लेकिन कर्म अगर बुरे है तो जीवन में उनका अंजाम भी बुरा ही होता है। ऐसे कई उदाहरण है जिनसे इतिहास भरा पड़ा है। गुल्लु एक ऐसा पापी है जिसके पाप प्याज के छिल्के की तरह उतरते ही जा रहे है। रेत माफिया के रूप में शुरू हुई गुल्लु की कहानी दलाली से बढ़कर तेल माफिया और दान की गई पुस्तैनी जमीन पर हक जताने तक पहुंच चुकी है। लेकिन बावजूद इसके गुल्लु के पाप है की उजागर होते ही जा रहे है। मतलब यह साफ है कि, गुल्लु काले कर्मों का बादशाह है और इसके कुकर्म ही है जो अब पाप के घड़े से छलक कर बाहर आ रहे है। कुकर्मी गुल्लु का एक कारनामा और भी हेरत में डालने वाला सामने आया है। दूसरी शादी में भाड़े के बराती वैसे तो गुल्लु अपनी पाप की अकूत कमाई से इतना पैसा बटौर चुका है कि, झाबुआ में ही उसका करोड़ों का बंगला है। इस अवैध अकूत पाप की कमाई ने गुल्लु के खून में इतना पाप घोल दिया है कि, वह अपनी इस हराम की कमाई के बूते सारी अय्याशियां करने में लगा हुआ है। इसी पाप की कमाई के बूते गुल्लु ने एक लड़की को झंसे में लेकर अवैध संबंध बनाए और दबाव में आकर बाद में चोरी-छिपे उससे शादी कर ली। सुत्र बताते है कि, चूंकि यह मामला अवैध संबंधों का था तो समाज और परिवार से इसे गुल्लु ने पूरी तरह से छुपाए रखा। अवैध संबंधों के चलते जब गुल्लु पर शादी का दबाव बना तो उसने ऐसा स्वांग रचा की समाज और घर वालों को दूसरी शादी की किसी तरह की कोई भनक नहीं लगने दी। जबकि सरिया कानून के हिसाब से दूसरी शादी के लिए पहली पत्नी की सहमति होना जरूरी है। अब जबकि गुल्लु ने यह दूसरी शादी चोरी-छुपे की तो पहली पत्नी की सहमति का तो सवाल ही नहीं उठाता। मतलब सरिया कानून के हिसाब से गुल्लु की दूसरी शादी, शादी ना होकर लिवइन रिलेशन बनकर रह गई। हालांकि सुत्र तो यह भी बताते है कि, जिस लड़की व परिवार को गुल्लु ने झांसा दिया। उस परिवार व लड़की को तो यह तक पता नही था कि जो लोग गुल्लु के साथ बाराती बनकर आए है वे उसके परिजन या रिश्तेदार है या कोई और। जब गुल्लु के कारनामें प्याज के छिलकों की तरह उतरने लगे तो मालूम हुआ कि, जिन लोगों को गुल्लु परिजन व बाराती बनाकर ले गया था वह सब भाड़े के थे।

न घर का ना घाट का

दूसरी शादी के बाद जब गुल्लु ने दूसरी पत्नी को घर ना लाते हुए कहीं और रखा तो दोनों के बीच शंका-कुशंओं का दौर शुरू हो गया। स्थितियां विवादित हुई तो दूसरी पत्नी वापस अपने माइके लौट गई। मामला बिगड़ता देख गुल्लु फिर मान मनोवल कर दूसरी पत्नी को ले आया और पड़ोसी जिले में किराये के मकान में रखा। इस बीच गुल्लु को दूसरी पत्नी से एक संतान भी हो गई। मगर स्थितियां संभलने के बजाय और बिगड़ गई। अपने व अपनी संतान के हक को लेकर दूसरी पत्नी ने फिर विवाद करना शुरू कर दिये। इन्ही विवादों के बीच वह फिर से चली गई। यह सारा मामला जब उजागर हुआ तो गुल्लु की पहली पत्नी ने इस पर आपत्ती जताना शुरू कर दी। अब गुल्लु की स्थिति अपने ही घर में उस धोबी के कुत्ते की तरह हो गई जो घर का रहा ना घांट का। पारिवारिक विवादों में घिर लंगोट के ढीले ने घर छोड़कर अपने अवैध धंधों के अड्डों को ही अपना घर बना लिया।

अपने व बच्चे के हक के लिए पहुंची न्यायालय की शरण में

उधर धोखेबाज गुल्लु की दूसरी पत्नी ने उस पर कई मुकदमे ठोक डाले। जिसमें चार सौ बीसी सहित भरण-पोषण और कई तरह के मामले है। इंदौर उच्च न्यायालय में गुल्लु की दूसरी पत्नी अब अपनी शादी व संतान के जायज या नाजायज होने की लड़ाई लड़ रही है। मगर लंगोट का ढीला गुल्लु यहां भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। भरण-पोषण के मामले में वह पहले ही न्यायालय के सामने अपने हाथ खड़े कर चुका है कि, उसके पास दूसरी पत्नी व बच्चे को देने के लिए कुछ नहीं है। न्यायालय में चल रहे इन केसों से यह तो खुले तौर पर साबित होता है कि, लंगोट का ढीला गुल्लु ठग और बहुत बड़ा धोखेबाज है। वैसे भी गुल्लु का यह रवैया यह दर्शाता है कि, अब वह दूसरी पत्नी और बच्चे को अपनाना नहीं चाहता। मगर तीन तलाक कानून से भी गुल्लु की फटी पड़ी है, सो तलाक, तलाक, तलाक तो वह बोल नहीं सकता। मगर मामला अभी न्यायालय में विचारधीन है। देखने वाली बात यह होगी कि, अब ऊंट किस करवट बैठेगा। अगर गुल्लु के पापों का घड़ा भर चुका है तो यह तय है कि बेड़ा गर्कहोने वाला है।

आकाओं के लिए सोने के अंडे देने वाली मुर्गी

इधर जिले में राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कर गुल्लु कई नए किर्तिमान गढ़ चुका है। वैसे तो अपने आकाओं के संरक्षण में गुल्लु ने कई अवैध धंधे किए और खूब काली कमाई में इजाफा किया। हर अवैध धंधे में उसके आकाओं ने उसका खूब साथ दिया लेकिन एक महिला के साथ गुल्लु के किए गए शोषण और मानसिक प्रताडना पर इन आकाओं को सांप सूघ गया है। ऐसा हो भी क्यों ना, क्योंकि गुल्लु जैसी सोने के अंडे देने वाली मुर्गी को कौन छोड़ सकता है। भले ही फिर वह कितना ही पापी क्यों ना हो या उसने कितना ही गिरा हुआ पाप क्यों ना किया हो। अपने आकाओं का चहेता गुल्लु अब भी उनके लिए किसी आलीबाबा के खजाने से कम नही है।

अवैध धंधों से अवैध उगरानी का खेल

बताने वाले बताते है कि, गुल्लु ठग जिले में चल रहेए तमाम अवैध जुंए-सट्टे के अड्डों से जमकर उगरानी करता है। उगरानी के इस खेल में सिखंडी पत्रकार का खुला संरक्षण गुल्लु को प्राप्त है। इसी संरक्षण के चलते गुल्लु अपने नकली पत्रकार भतीजे के साथ मिलकर जमकर चांदी काट रहा है। जिले के तमाम अवैध धंधों के अड्डों की जानकारी गुल्लु को है और वह इनसे अपने संरक्षक सिखंडी पत्रकार के नाम से धमकी देकर मामला उजागर कर देने के लिए अवैध धंधेबाजों को धमकाता है। गुल्लु इन अवैध धंधेबाजों से उगरानी के लिए शाम, दाम, दंड, भेद कर वह सभी हंथ कंडे अपनाता। यहां तक कि, पुलिस को सूचना देकर उलझने की धमकी भी देता। जिससे अवैध धंधेबाज दबाव में आकर गुल्लु की झोली में अपनी अवैध काली कमाई का कुछ हिस्सा डाल दे। कुल मिलाकर झाबुआ और आलीराजपुर जिले में इन दोनों चाचा-भतीजे का एक ही नारा है... राम नाम जपना... पराया माल अपना। कई अवैध धंधेबाजों, जुएं-सट्टे के क्लबों से इन चाचा-भतीजे ने महिना बंदी भी कर रखी है।बताया जाता है कि, जिले के कल्याणपुरा, पारा, रानापुर, थांदला और पेटलावद में इनका अवैध उगाही और ब्लैकमेलिंग का धंधा जोरों पर है तो आलीराजपुर जिले के नानपुर, जोबट, आंबुआ, भाबरा में भी अवैध धंधेबाजों से उगाही कर यह चाचा-भतीजा जमकर चांदी काट रहे है। यह अवैध उगाही भी लाखों में बताई जाती है। अपनी इस अवैध अकूत कमाई में इन चाचा-भतीजे के संरक्षक सिखंडी पत्रकार का भी बड़ा हिस्सा होता है। जिसकी बदौलत सिखंडी पत्रकार एक दम लक्झरी लाईफ स्टाईल जीता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422